सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

जिंदगी में खुश रहने का सबसे अच्छा तरीका
उम्मीद कम रखो और कोशिशें ज्यादा करो...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–55 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 16 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

राजनांदगांव प्रेस क्लब के चुनाव में सचिन की हैट्रिक, शहर व पत्रकारों में उत्साह का वातावरण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रेस क्लब राजनांदगांव के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव रविवार को उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुए। इस चुनाव में अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष सहित तीन पदों के लिए मतदान कराया गया, जिसमें पत्रकारों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। चुनाव परिणामों में सचिन अग्रहरि लगातार तीसरी बार अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए, वहीं अनिल त्रिपाठी सचिव और बसंत शर्मा कोषाध्यक्ष चुने गए।

अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में दो प्रत्याशियों के बीच सीधा संघर्ष देखने को मिला। इसमें सचिन अग्रहरि को 107 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कमलेश स्वणकार को 41 मत प्राप्त हुए। इस तरह सचिन अग्रहरि ने 66 मतों के बड़े अंतर से जीत दर्ज कर एक बार फिर अध्यक्ष पद पर अपना दबदबा कायम रखा।

वहीं सचिव पद के चुनाव में अनिल त्रिपाठी को कुल 74 वोट मिले और उन्होंने जीत हासिल की। उनके प्रतिद्वंद्वी विक्रम बाजपेयी को 50, सुरेंद्र गुप्ता को 12, मनोज राठौड़ को 6 तथा योगेश शर्मा को 6 वोट मिले।

कोषाध्यक्ष पद पर बसंत शर्मा ने 85 वोट प्राप्त कर जीत दर्ज की। उनके मुकाबले में

रवि सिंह ठाकुर को 32 तथा प्रमोद शेंडे को 31 मत मिले।

प्रेस क्लब चुनाव में कुल 158 मतदाता थे, जिनमें से 148 सदस्यों ने मतदान कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान की प्रक्रिया चली, जिसके बाद दोपहर 3 बजे से मतगणना शुरू हुई और शाम 5 बजे तक सभी परिणाम घोषित कर दिए गए। इस चुनाव में मतदाताओं का उत्साह इतना अधिक रहा कि पहली बार 93.67 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। कई मतदाताओं ने अस्वस्थता और व्यस्तता के बावजूद मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाई।

चुनाव को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने में निर्वाचन अधिकारियों की अहम भूमिका रही। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता उमाकांत भारद्वाज, मनोज चौधरी, विमल हाजरा, मनीष तिवारी, सुनीता वर्मा, खेमराज वर्मा, नंदिनी, खुशी और नितिन साहू ने निर्वाचन प्रक्रिया का सफल संचालन किया।

जीत के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए तीसरी बार अध्यक्ष बने सचिन अग्रहरि ने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि प्रेस क्लब के सभी सदस्यों की जीत है। उन्होंने बताया कि पिछले दो कार्यकाल में पत्रकारों के लिए आवासीय परिसर का आवंटन और उसके विकास का महत्वपूर्ण कार्य कराया गया है। आने वाले कार्यकाल में बचे हुए कार्यों को पूरा करने के साथ ही उन पत्रकारों को भी आवासीय भूखंड उपलब्ध कराने की प्राथमिकता होगी, जो अब तक इससे वंचित हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भी पहले से बेहतर कार्य करने का प्रयास किया जाएगा।

सांध्य दैनिक अखबार **नई दृष्टिबिंदु** और **खबर आलोक** परिवार की ओर से आलोक तिवारी ने प्रेस क्लब राजनांदगांव के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सचिन अग्रहरि, सचिव अनिल त्रिपाठी और कोषाध्यक्ष बसंत शर्मा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। साथ ही आशा व्यक्त की गई है कि नई टीम पत्रकार हितों और प्रेस क्लब के विकास के लिए प्रभावी व सकारात्मक कार्य करेगी।

विचारणीय मुद्दा

क्या 'धान का कटोरा' अब 'नशे का गलियारा' बनेगा?

आलोक तिवारी

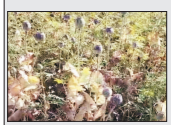

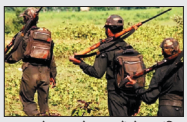

छत्तीसगढ़ एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर दशकों से रक्तरंजित रहे नक्सलवाद के अंधेरे से राज्य बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है, तो दूसरी ओर एक नया खतरा चुपचाप सिर उठाता दिखाई दे रहा है—नशे की खेती का खतरा। केंद्र की सरकार और राज्य की सरकार जिस गंभीरता से नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चला रही है, उसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। सुरक्षा बलों की कार्रवाई, आत्मसमर्पण और लगातार कमजोर पड़ते नक्सली ढांचे ने यह भरोसा जगाया है कि छत्तीसगढ़ बहुत जल्द उस दौर से बाहर निकल सकता है जिसे कभी देश के सबसे बड़े आंतरिक सुरक्षा संकट के रूप में देखा जाता था।

लेकिन सवाल यह है कि जब राज्य एक संकट से बाहर निकलने की ओर बढ़ रहा है, तो क्या उसे किसी दूसरे संकट की ओर धकेला जा रहा है? छत्तीसगढ़ को लंबे समय से 'धान का कटोरा' कहा जाता है। यह केवल एक उपमा नहीं है, बल्कि उस मेहनतकश कृषि संस्कृति का प्रतीक है जिसने इस राज्य की पहचान बनाई। धान की खुशबू से पहचाने जाने वाले इस प्रदेश में अब अफीम की खेती की खबरें आ रही हैं। दुर्ग के समोदा और बलरामपुर में अफीम की खेती के मामले उजागर होना केवल एक कानूनी घटना नहीं है, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकेत है।

अफीम की खेती कोई साधारण खेती नहीं होती। यह ऐसा पौधा नहीं है जो खेत में चुपचाप उग जाए और किसी को पता ही न चले। इसके लिए जमीन, श्रम, संसाधन और समय चाहिए। पौधे महीनों तक खेतों में खड़े रहते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह सब प्रशासन की नजरों से सचमुच छिपा हुआ था, या फिर व्यवस्था ने देखने की जरूरत ही नहीं समझी? भारत में अफीम की खेती पूरी तरह नियंत्रित और लाइसेंस आधारित गतिविधि है। इसकी अनुमति केवल कुछ सीमित क्षेत्रों में दी जाती है और वह भी चिकित्सा व वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए। छत्तीसगढ़ इस सूची में शामिल नहीं है। इसलिए यहां अफीम की खेती का पाया जाना केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अफीम की खेती खेतों तक सीमित नहीं रहती। इसके साथ एक पूरा अवैध तंत्र विकसित होता है—तस्करी, काला कारोबार, संगठित अपराध और संभावित राजनीतिक संरक्षण का जाल। करोड़ों रुपये का अवैध कारोबार, गिरफ्तारियां, निलंबन और राजनीतिक बयानबाजी—यह सब उस बड़े तंत्र की झलक है जो धीरे–धीरे आकार लेता है, और यहीं से राजनीति शुरू होती है। सत्ता पक्ष कार्रवाई का दावा करता है, विपक्ष इसे सरकार की विफलता बताता है। बयान आते हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस होती हैं, आरोप–प्रत्यारोप का दौर चलता है। लेकिन इस शोर के बीच असली सवाल अक्सर दब जाता है—यह सब शुरू कैसे हुआ और इतने समय तक चलता कैसे रहा?

इतिहास गवाह है कि नशे का कारोबार कभी अचानक नहीं फैलता। वह धीरे–धीरे समाज में जड़ें जमाता है। पहले कुछ छोटी खबरें आती हैं, फिर तस्करी के मामले सामने आते हैं, और धीरे–धीरे यह समस्या सामाजिक संकट का रूप ले लेती है। पंजाब इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कभी कृषि समृद्धि और मेहनतकश संस्कृति के लिए पहचाने जाने वाला वह राज्य धीरे–धीरे नशे की समस्या से जूझने लगा। यह सब एक दिन में नहीं हुआ। वर्षों तक संकेत मिलते रहे, लेकिन व्यवस्था ने उनकी गंभीरता को समय रहते नहीं समझा। आज छत्तीसगढ़ के सामने भी वही चेतावनी खड़ी है।

दुर्ग और भिलाई जैसे क्षेत्र शिक्षा के केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहे हैं। नए संस्थान, नई पीढ़ी और नए अवसर इस क्षेत्र को एक नई पहचान दे रहे हैं। ऐसे में अगर इसी जमीन पर अफीम की खेती की खबरें सामने आती हैं, तो यह केवल कानून–व्यवस्था का मामला नहीं रह जाता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का सवाल बन जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अफीम की खेती करने की प्रेरणा आखिर आई कहां से? बीज किसने उपलब्ध कराया? इसका बाजार कहां है? इसकी तस्करी किस रास्ते से होती है? और सबसे महत्वपूर्ण—क्या यह सब बिना किसी संरक्षण के संभव था?

यदि यह केवल कुछ किसानों की लालच भरी कोशिश थी, तो फिर इतनी संगठित गतिविधि कैसे सामने आई? और अगर इसके पीछे कोई नेटवर्क है, तो वह कितना बड़ा है? कार्रवाई होना जरूरी है, लेकिन कार्रवाई का दिखना उससे भी ज्यादा जरूरी होता है। यदि कुछ गिरफ्तारियों और कुछ निलंबनों के बाद मामला ठंडा पड़ गया, तो यह संदेश जाएगा कि व्यवस्था अभी भी इस खतरे को पूरी गंभीरता से नहीं ले रही। जरूरत इस बात की है कि इस पूरे प्रकरण की व्यापक और निष्पक्ष जांच हो। जहां–जहां अफीम की खेती पाई गई है, वहां की जमीन राजस्वत की जाए, जिम्मेदार अधिकारियों पर आपराधिक मामले दर्ज हों और उस पूरे नेटवर्क को उजागर किया जाए जो इस अवैध खेती के पीछे सक्रिय हो सकता है।

छत्तीसगढ़ नक्सलवाद के अंधेरे से बाहर निकलने की ओर बढ़ रहा है। यह राज्य के लिए उम्मीद का समय है। लेकिन इतिहास यह भी सिखाता है कि जब एक संकट खत्म होता है, तो अक्सर दूसरा संकट चुपचाप जन्म लेता है। इसलिए यह केवल कानून का सवाल नहीं है, यह समाज की दिशा का सवाल है। छत्तीसगढ़ को यह तय करना होगा कि वह 'धान का कटोरा' बना रहेगा या धीरे–धीरे 'नशे का गलियारा' बनता जाएगा।

वैशाली नगर विधायक की हत्या की साजिश का मामला, कांग्रेस ने उच्च स्तरीय जांच की मांग

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला पुलिस अधीक्षक के नाम सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

साजिशकर्ता का नाम सार्वजनिक किया जाए : मुकेश चंद्राकर

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने रविवार को जिला पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के नाम थाना प्रभारी सुपेला को ज्ञापन सौंप वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा स्वयं की हत्या के आरोपों की साजिश की उच्च स्तरीय जांच किए जाने की मांग की। अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सुपेला थाना पहुंचकर थाना प्रभारी के समक्ष अपनी बात रखी। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

श्री चंद्राकर ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल को सौंपे गए ज्ञापन में बताया है कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने सोशल मीडिया "फेसबुक" के माध्यम से पूरी भीड़ के सामने अपनी जान को खतरा बताया है। साथ ही उन्होंने अपने विरुद्ध साजिश रचने का आरोप भी लगाया है। विधानसभा में यह मामला उठाए जाने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। लोगों में यह संदेश जा रहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार और जिले के सख्त पुलिस प्रशासन में यदि एक विधायक को भय है तो पूरे क्षेत्र की जनता भयमुक्त कैसे होगी?

श्री चंद्राकर ने जिला पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए एवं साजिशकर्ता को पकड़ा जाए। साजिशकर्ता का नाम सार्वजनिक किया जाए ताकि भ्रम की स्थिति दूर हो और जनता में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़े।

ज्ञापन सौंपने वालों में अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, महापौर नीरज पाल, सीजू एंथोनी, इरफान खान, बृजमोहन सिंह, नरसिंह नाथ, जी राजू, सौरभ मिश्रा, सौरभ दत्त, दिनेश पटेल, भूपेंद्र यादव, राजेश साहू, मोहम्मद रफीक, आनंद डोंगरे, दर्शन सिंह, निरंजन देसाई, वासु पांडे,विनोद यादव, रविंद्र सिंह, अली हुसैन सिद्दीकी, मोहम्मद शोएब, हीरा शंकर साहू, अजय यादव, जितेश बंजारे, शमशेर सिद्दीकी, सोनू अंसारी, योगेश राव, राजेंद्र महिलांग,प्रभाकर जनवंधु, के जगदीश,केशव चौबे,श्रीमती पिंकी वर्मा, श्रीमति दंतेश्वरी साहू,, डी के बंजारे, नरेंद्र पीपरोल,अजय यादव,गोविन्द कोसले, सुरेश वर्मा, राजेश चौधरी, धीमान दस गोरा, सूर्यकांत सिन्हा, अजय यादव, सतीश सोनकर, अजय दंडसेना, अभिषेक अवस्थी, रमाकांत देशलहरे, लक्ष्मण सिंह,मनीष शुक्ला, योगेश राव, धनेश साहू, गिरधर, मोहम्मद सलीम, उमाशंकर साहू, उमाशंकर शर्मा, अज्जू अहमद चौहान, तमेश साहू, एस वेंकट, सूरज शर्मा, शशिकांत साहू, दीपक राजपूत, सलमान खान, प्रशांत कुमार, हीरा पाल,अशोक रामटेके, रूपचंद गुर्जर, युवराज चौरसिया, संदीप कुमार, अमरजीत,किशन यादव, चंद्रशेखर गवई,ललित पाल, सतनाम सिंह, राहिल खान सहित कांग्रेस के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हैवानियत : मासूम से दरिंदगी, आक्रोशित जनता ने की सरेआम फांसी देने की मांग!

क्षेत्र में भारी तनाव का माहौल, सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक फूटा जनता का गुस्सा

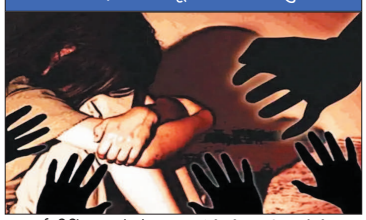

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संस्कारधानी के नवागांव वार्ड में मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद खौफनाक घटना सामने आई है। यहाँ एक 7 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी की खबर ने पूरे शहर के खून को खौला दिया है। घटना के बाद से ही क्षेत्र में भारी तनाव का माहौल है और सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक जनता का गुस्सा फूट पड़ा है।

पुलिस की चुप्पी और सुलगता जन–आक्रोश

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है, लेकिन अभी तक आधिकारिक रूप से इस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है। पुलिस की इस रहस्यमयी चुप्पी ने प्रेस और व्हाट्सएप ग्रुप्स में आग में घी डालने का काम किया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी वारदात पर प्रशासन मौन क्यों है? क्या अपराधियों को कानून का खौफ नहीं रह गया है?

कांकेतरा कांड की यादें हुईं ताजा : उठी 'फांसी' की मांग

इस घटना ने साल 2021 के चर्चित कांकेतरा कांड के जख्मों को फिर से हरा कर दिया है। उस समय भी कोरोना काल की चुनौतियों के बावजूद समाज की एकजुटता ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए दरिंदे को फांसी की सजा दिलवाई थी। आज फिर वही मांग नवागांव के लिए उठ रही है।

जनता के बीच इस बात को लेकर भारी गुस्सा है कि सरेआम फांसी हो: आक्रोशित नागरिकों का कहना है कि ऐसे हैवानों को मानव मंदिर चौक पर जनता के हवाले कर देना चाहिए या बीच चौराहे पर फांसी दी जानी चाहिए।

कोई पैरवी न करे: सोशल मीडिया पर वकीलों से अपील की जा रही है कि कोई भी अधिवक्ता इस नरपिशाच का केस न लड़े।

बुलडोजर कार्रवाई की चर्चा: शहर में चर्चा तेज है कि जिस तरह अन्य राज्यों में अपराधियों के हौसले पस्त करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल हो रहा है, वैसी ही कड़ी कार्रवाई यहाँ भी होनी चाहिए।

रूह कांप देने वाली दरिंदगी

7 साल की बच्ची के साथ हुई इस हैवानियत को सुनकर हर किसी की रूह कांप गई है। लोगों का कहना है कि "जिंदा जला देना भी ऐसे राक्षसों के लिए कम सजा है।" समाज का एक ही स्वर है—न्याय में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन को यह समझना होगा कि यह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि पूरे समाज की अस्मत पर हमला है।

अब देखना यह है कि प्रशासन इस जन–आक्रोश को देखते हुए कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है और क्या मासूम को जल्द से जल्द न्याय मिल पाता है?

मोबाइल शॉप में लाखों की चोरी का खुलासा, 16 आईफोन बरामद

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

रायगढ़ शहर में मोबाइल दुकान में हुई लाखों रुपये की चोरी का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। रायगढ़ पुलिस की सिटी कोतवाली और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए चोरी गए 16 नग आईफोन (कीमत लगभग 14 लाख 15 हजार रुपये) की शत–प्रतिशत बरामदगी कर ली है और मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूरी कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में की गई।

जानकारी के अनुसार रायगढ़ शहर के गोपी टॉकीज के सामने स्थित सेल स्पॉट मोबाइल शॉप में 9 मार्च 2026 की रात चोरी की घटना हुई थी। दुकान संचालक मोहम्मद फारुक निवासी लक्ष्मीपुर ने पुलिस को बताया कि वे रात करीब 9:30 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 10 बजे जब वे दुकान पहुंचे और शटर खोलकर

अंदर गए तो शोकेस काउंटर में रखे मोबाइल फोन अस्त–व्यस्त मिले। जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर दुकान की दूसरी मंजिल का ताला तोड़कर अंदर घुसा और ग्राउंड फ्लोर स्थित दुकान से 16 आईफोन और काउंटर में रखी नकदी लेकर फरार हो गया। घटना की रिपोर्ट पर सिटी कोतवाली थाना में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध की पहचान की और उसकी तलाश तेज की। साइबर टीम की मदद से आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई, जिससे पता चला कि वह रायपुर की ओर गया है। पुलिस टीम तत्काल रायपुर पहुंची और रेलवे स्टेशन पर घेराबंदी कर दी। इसी दौरान आरोपी ट्रेन में बैठकर रायगढ़ लौट रहा था, जिसे पुलिस ने चलती ट्रेन में ही घेरकर गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए आरोपी की पहचान आकाश चौहान (19 वर्ष) निवासी ग्राम कलमी थाना कोतरारोड़ के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने मोबाइल दुकान में चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने यह भी बताया कि उसने जनवरी 2026 में अपने साथियों के साथ बोईरदादर चौक स्थित एक अन्य मोबाइल दुकान में भी चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

पुलिस ने आरोपी आकाश चौहान के कब्जे से 15 आईफोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। वहीं चोरी का एक आईफोन उसके साथी लकेश्वर उर्फ लक्की चंद्रा (21 वर्ष) निवासी सोनमुड़ा रायगढ़ के पास से बरामद कर उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है।

इस पूरी कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सुखनंदन पटेल, साइबर थाना प्रभारी विजय चेलक सहित पुलिस टीम के कई अधिकारियों और जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि रायगढ़ जिले में चोरी, लूट और संपत्ति संबंधी अपराध करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है। प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishti bindu E-Paper सर्च कर ई पेपर देख सकते हैं।
Google
NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER
शाम 4 बजे से पढ़े

अंतरराष्ट्रीय युद्धों व वैश्विक भू-राजनीतिक संघर्षों के कारण एमएसएमई उद्योगों के सामने गंभीर चुनौतियां

बीएसपी एंसि. इंड. एसो. के अध्यक्ष दासगुप्ता ने एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार को लिखा पत्र, एमएसएमई उद्योगों को राहत और विशेष सहायता देने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय युद्धों व वैश्विक भू-राजनीतिक संघर्षों के कारण एमएसएमई उद्योगों के सामने गंभीर चुनौतियां पैदा हो गई हैं। इन अस्थिरताओं के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है। ऐसे में इन उद्योगों को बहुत बड़ी राहत की जरूरत है। बीएसपी एंसिलरी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष रतन दासगुप्ता ने एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव को पत्र लिखकर एमएसएमई उद्योगों के समझ आ रही परेशानियों को विस्तृत रूप से बताया है ,साथ ही विशेष राहत उपाय दिलाने का अनुरोध किया है।

दासगुप्ता ने बताया कि सूक्ष्म विनिर्माण उद्यम देश में जमीनी स्तर पर रोजगार सृजन के सबसे बड़े स्रोतों में से एक हैं। ये देशभर में बड़ी संख्या में कुशल एवं अर्द्ध-कुशल श्रमिकों को आजीविका प्रदान करते हैं। इनके संचालन में किसी भी प्रकार का व्यवधान न केवल औद्योगिक उत्पादन को प्रभावित करता है, बल्कि रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर भी गंभीर प्रभाव डालता है।

उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय युद्धों और भू-राजनीतिक अस्थिरताओं के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है। विशेष रूप से औद्योगिक गैसों, महत्वपूर्ण मिश्र धातु तत्वों, इलेक्ट्रोड्स तथा अन्य आवश्यक कच्चे माल की उपलब्धता पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ा है। परिणामस्वरूप आपूर्ति में अनियमितता, कीमतों में तीव्र वृद्धि, खरीद में अत्यधिक विलंब तथा परिवहन संबंधी कठिनाइयाँ उत्पन्न हो गई हैं।

दासगुप्ता ने एमएसएमई मंत्रालय से अनुरोध किया है कि इन असाधारण परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा प्रमुख औद्योगिक खरीदारों को उचित दिशा-निर्देश एवं परामर्श जारी कर सूक्ष्म विनिर्माण उद्यमों, विशेष रूप से कोर सेक्टर उद्योगों को आपूर्ति करने वाली इकाइयों को विशेष सहायता प्रदान करने हेतु प्रेरित करें।

राहत उपायों का जिक्र करते हुए दासगुप्ता ने कहा है कि वर्तमान एमएसएमई आपूर्ति आदेशों, विशेषकर सूक्ष्म विनिर्माण इकाइयों द्वारा निष्पादित आदेशों के लिए, कम से कम पाँच (5) माह की अतिरिक्त आपूर्ति अवधि प्रदान करें और इस अवधि के लिए किसी भी प्रकार का एलडी या दंड न लगाया जाए। वैश्विक आपूर्ति व्यवधानों की अवधि के दौरान लगाए गए एलडी शुल्क को माफ किया जाए अथवा वापस किया जाए। जहाँ कच्चे माल, औद्योगिक गैसों और आयातित तत्वों की कीमतों में असामान्य वृद्धि हुई है, वहाँ मौजूदा अनुबंधों में उपयुक्त मूल्य परिवर्तन प्रावधानों की अनुमति दी जाए।

दासगुप्ता ने कहा कि बिक्री और उत्पादन प्रभावित होने को देखते हुए कम से कम 6 से 9 महीनों के लिए बैंक ब्याज पर राहत प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म विनिर्माण उद्यम भले ही एमएसएमई ढांचे के अंतर्गत सबसे छोटे हों, परंतु वे औद्योगिक मूल्य श्रृंखला की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे बड़े उद्योगों को सहारा देते हैं और देशभर में रोजगार सृजन करते हैं। इस कठिन समय में उनका समर्थन करना भारतीय अर्थव्यवस्था के अनेक क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करेगा।

खास खबर

भक्ति और सेवा की प्रतिमूर्ति हैं मां कर्मा : संगीता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कर्मा जयंती के पावन अवसर पर क्षेत्र क्रमांक 14 की जनपद सदस्य संगीता साहू ने प्रदेशवासियों को तेली समाज की आराध्य देवी मां कर्मा जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर संगीता साहू ने मां कर्मा को नमन करते हुए कहा कि माता कर्मा साहू, तेली समाज सहित कई अन्य समुदायों की आराध्य देवी हैं। वे भक्ति, सेवा और समर्पण की अद्भुत प्रतिमूर्ति मानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि मां कर्मा का जीवन समाज को सेवा, त्याग और ईश्वर भक्ति का संदेश देता है। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और सद्भाव को मजबूत किया जा सकता है। संगीता साहू ने सभी से मां कर्मा के आदर्शों पर चलने और समाज में सकारात्मकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे पर्व समाज को एकजुट करने और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने का अवसर प्रदान करते हैं।

वर्षों बाद मिले संघर्ष के दिनों के साथी

भिलाई। जनता पार्टी के पुराने संघर्ष के दिनों के साथी व मीसा बंदी रामगुलाम ठाकुर से उनके रायपुर स्थित निवास पर मुलाकात हुई। वर्षों बाद हुई मुलाकात के दौरान उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा करने का अवसर मिला। चर्चा के दौरान जनता पार्टी के संघर्ष के दिनों तथा पार्टी विभाजन समेत विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। चर्चा के दौरान रामगुलाम ठाकुर ने देश की वतर्मान परिस्थितियों पर चिंता जाहिर की।

साथ ही छत्तीसगढ़ निर्माण पर भी उनसे बात हुई। चर्चा के दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों पर जहां सकारात्मक विचार रखें, वहीं छत्तीसगढ़ के संबंध में बोलते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रदेशों से आए वे लोग जिन्होंने छत्तीसगढ़ को ही अपनी कमर्भूमि बना लिया है वे सभी लोग छत्तीसगढ़िया ही है। विशेष कर उन्होंने उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों के विषय में चर्चा की। ऐसे लोगों को उन्होंने संघषर्शील बताते हुए कहा कि एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश जाने वाले लोग अपनी खुशी से नहीं जाते बल्कि अपनी आजीविका के लिए एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश जाकर उसे अपनी कमर्भूमि बना लेते हैं।

इस विषय पर उन्होंने कुछ प्रदेशों में ऐसे लोगों के खिलाफ बयानबाजी करने वालों को आड़े हाथों लिया और कहा कि भारत स्वतंत्र देश है और हर भारतीय को यह अधिकार है कि वह भारत में जहाँ चाहे वहां रहे। इस विषय पर उन्होंने खुद बारे में बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार भी उनकी कमर्भूमि रही है। उन्होंने रायपुर के मरीन ड्राइव स्थित दुकानों के बारे में बताते हुए कहा कि कुछ दिनों पूर्व जब उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों की दुकान वहां से हटाई जा रही थी। तब उन्होंने उन लोगों के पक्ष में जाकर आंदोलन किया और वतर्मान सरकार की इस कार्रवाई का विरोध किया। यहां पर यह बताना लाजिमी है कि रामगुलाम ठाकुर वतर्मान में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के संरक्षक भी हैं।

आईपीएस में चयनित अनुभव का हुआ सम्मान

दुर्ग। दुर्ग नगर के सिकोला भाटा निवासी और नगर के लिए गौरव बने अनुभव अग्रवाल का आईपीएस में चयन होने पर उन्हें बधाई देते हुए सम्मानित किया गया। अनुभव, सिकोला भाटा निवासी दिव्य दर्शन अग्रवाल के सुपुत्र हैं और उनकी इस उपलब्धि से पूरे शहर में खुशी का माहौल है। अनुभव अग्रवाल को उनके निवास स्थान पर जिला चिकित्सालय की जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर एवं मानद सदस्य प्रशांत डोंगावकर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। बताया गया कि आईपीएस में चयनित अनुभव अग्रवाल मुंबई की आईआईएस से टॉपर रहे हैं। वतर्मान में वे बैंगलोर स्थित गोल्डन सेक संस्थान में वाइस चांसलर के रूप में भी कार्यरत हैं। उनकी इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन की ओर से भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

कर्मा जयंती पर दुर्ग में भव्य शोभायात्राएं, पूर्व विधायक अरुण वोरा ने की पूजा-अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

10

कर्मा जयंती पर दुर्ग में भव्य शोभायात्राएं, अरुण वोरा ने की पूजा-अर्चना

दुर्ग। माता कर्मा जयंती के पावन अवसर पर दुर्ग शहर में आयोजित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने शहर के अलग-अलग वार्डों में पहुंचकर श्रद्धालुओं के साथ भव्य शोभायात्राओं में भाग लिया तथा माता कर्मा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

अरुण वोरा सबसे पहले वार्ड क्रमांक 1 नयापारा, दुर्ग पहुंचे, जहां उन्होंने माता कर्मा जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके बाद उन्होंने वार्ड 50 बोरसी भाठा में आयोजित भव्य शोभायात्रा में भाग लिया। वहीं पोटिया क्षेत्र सहित दुर्ग शहर के अन्य कई स्थानों पर पहुंचकर भी उन्होंने माता कर्मा जयंती के कार्यक्रमों में सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर अरुण वोरा ने माता कर्मा की पूजा-अर्चना कर दुर्ग शहर और यहां की जनता की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस दौरान वोरा ने कहा— माता कर्मा त्याग, सेवा और भक्ति की महान प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। ऐसे पावन अवसर हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। मैं माता कर्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनका आशीर्वाद सदैव दुर्ग शहर और यहां के सभी नागरिकों पर बना रहे तथा समाज में भाईचारा और समृद्धि का वातावरण कायम रहे।

माता कर्मा जयंती के अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भव्य शोभायात्राएं निकाली गईं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और नागरिक शामिल हुए। पूरे शहर में भक्तिभाव और उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

कार्यकर्ता सृजन को बताया संगठन की ताकत, भाजपा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत गंजपारा सदर मंडल का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग बायपास रोड स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा के ध्वजारोहण के साथ हुई। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, लोकसभा सांसद विजय बघेल, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला महामंत्री विनोद अरोरा, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह परिहार, मनोज सोनी, सरिता मिश्रा, अशोक राठी, मंडल प्रभारी एवं जिला मंत्री गायत्री वर्मा, मंडल अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा तथा मंडल महामंत्री राकेश दुग्गड सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के सृजन का मुख्य आधार है। इससे कार्यकर्ताओं को विचारधारा की स्पष्टता, संगठन की कार्यपद्धति और समाज के प्रति सेवा का भाव सीखने का अवसर मिलता है। जब ये तीनों गुण किसी कार्यकर्ता में आते हैं, तब वह केवल कार्यकर्ता नहीं बल्कि समाज परिवर्तन का माध्यम बन जाता है।

लोकसभा सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण की भावना से प्रेरित विचारधारा पर आधारित संगठन है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन के अनुरूप पार्टी समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके प्रशिक्षित और समर्पित कार्यकर्ताओं पर निर्भर करती है। प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति, अनुशासन और सेवा भावना से परिचित कराना है। प्रशिक्षण वर्ग में सात अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न विषयों पर वक्ताओं ने मार्गदर्शन देते हुए कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक कार्यों में कुशल और निपुण बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री राकेश दुग्गड ने किया तथा आभार प्रदर्शन मंडल उपाध्यक्ष पूनम यादव ने किया।

एक्सीडेंट हॉट स्पॉट का एसएसपी विजय अग्रवाल ने किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए दुर्ग जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने थाना जामगांव (आर) क्षेत्र के चिन्हांकित दुर्घटना संभावित स्थलों (एक्सीडेंट हॉट स्पॉट) का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम किकिरमेटा, बेल्हारी, कुम्हली एवं पौहा क्षेत्र की सड़कों का स्थल अवलोकन कर दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित किया गया। एसएसपी ने संबंधित विभागों और अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इन ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं लगातार सामने आई हैं, जिनमें कई ग्रामीणों की आकस्मिक मृत्यु भी हुई है। इस स्थिति को देखते हुए दुर्घटना संभावित स्थलों पर विशेष सावधानी बरतने और

आवश्यक सुधार कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुरक्षा उपाय लागू करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निम्न सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए—दुर्घटना संभावित स्थानों पर चेतावनी एवं सूचना संकेतक बोर्ड लगाने के निर्देश, तेज गति नियंत्रित करने के लिए स्पीड ब्रेकर और रंबल स्ट्रिप्स लगाने के निर्देश, अंधे मोड़ों एवं संवेदनशील स्थानों पर रिफ्लेक्टर, कैट आई और चेतावनी चिन्ह लगाने के निर्देश, रात्रि में दृश्यता बढ़ाने के लिए आवश्यक स्थानों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, सड़क किनारे झाड़ियों या दृश्यता बाधित करने वाले अवरोध हटाने के निर्देश, पुलिस द्वारा नियमित पेट्रोलिंग एवं यातायात जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मणिशंकर चन्द्रा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पाटन अनूप लकड़ा, थाना प्रभारी जामगांव (आर) सहित पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहकर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

भक्त माता कर्मा जयंती समारोह में शामिल हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक

भक्त माता कर्मा के आदर्श हमें समाज में करुणा, समानता और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते रहेंगे-ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नगपुरा व गनियारी में स्थानीय ग्रामीण साहू समाज द्वारा भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती बड़ी धूम धाम से मनाया गया इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्रवासियों को भक्त माता कर्मा जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही महाप्रसाद खिचड़ी ग्रहण किया। कर्मा जयंती के पावन अवसर पर ग्राम में कलश यात्रा के साथ नगर भ्रमण किया भक्त माता कर्मा और दानवीर भामासाह जयकारे से नगर गूंज उठा। साथ ही समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और समाज के उत्थान के लिए काम करने वाले सम्माननीय जानों का सम्मान किया गया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ में माता कर्मा जयंती का पर्व पूरे श्रद्धाभाव और सामाजिक समरसता के साथ मनाया जाता है। साहू तैलिक समाज की आराध्य देवी माता कर्मा की जयंती पर पूरे राज्य में शोभायात्राएँ, कलश यात्राएँ और विविध धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन आज किया गया हैं, जिनमें सभी समाजों की भागीदारी से एकता और भाईचारे का संदेश भी प्रसारित होता है। उन्होंने प्रार्थना की कि माता कर्मा का आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। विधायक ललित चंद्राकर ने विश्वास जताया कि भक्त माता कर्मा के आदर्श हमें समाज में करुणा, समानता और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

श्री चंद्राकर ने कहा परम आराध्य साध्वी भक्त शिरोमणि मां कर्मा देश विदेश में आवासित करोड़ करोड़ सर्व साहू तेली समाज की आराध्य देवी मां कर्मा बाई की गौरव गाथा जन-जन के मानस में श्रद्धा भक्ति के भाव से विगत हजारों वर्षो से अंकित चली आ रही है इतिहास के पन्नों पर उनकी पावन गाथा तथा उनसे संबंधित लोकगीत की किवंदतिया और आख्यान इस बात के प्रमाण है की मां कर्मा कोई काल्पनिक पात्र नहीं है माता कर्मा के द्वारा किए गए कार्य आज भी आम जनमानस को दिखाई पड़ता है आज उपस्थित साहू समाज के समस्त माता बहनों भाइयों और बुजुर्गों को भक्त शिरोमणि माता कर्मा की जन्म जयंती की पुनः बधाई देता हूं ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से अध्यक्ष खिलेन्द्र साहू, उपाध्यक्ष दशरथ साहू, जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जिला पंचायत सदस्य सुश्री प्रिया साहू,सरपंच सरोज रिगरी पंच आशा साहू अमरौतीन देशलहरे,शखाराम साहू,भेखाराम साहू,परिक्षेत्रीय उपाध्यक्ष दुकालूराम साहू, धनीराम साहू लिखन साहू, अनंदराम साहू,रमेश साहू,तेखन साहू,गिरेश साहू,संतोष साहू,झड़ी साहू,अध्यक्ष संतोष साहू,सरपंच संतोसी साहू,उपाध्यक्ष कीर्तन साहू,उपाध्यक्ष श्रीमती भूभारती साहू,अनिल साहू,केवल साहू,सीमा साहू,डोमार साहू,विनोद साहू,किशोर साहू,पीताम्बर साहू,रोहित साहू चैनसिंह साहू चम्पा साहू,ईश्वरी साहू व समस्त नागरिक गण उपस्थित रहे '

पिता-पुत्र के शव मिलने से सनसनी, जहर खाकर आत्महत्या की आशंका

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आपापुरा के भोईपारा इलाके में शनिवार को एक किराए के मकान से पिता और बेटे के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस की शुरुआती जांच में दोनों द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 70 वर्षीय अरुण टंडिया और उनके 35 वर्षीय बेटे पंकज टंडिया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों कुछ महीने पहले ही भोईपारा क्षेत्र में किराए के मकान में रहने आए थे। इससे पहले वे शहर के किसी अन्य इलाके में रहते थे।

शनिवार सुबह जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों को शक हुआ। लोगों ने आवाज लगाकर दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद आसपास के लोगों ने स्थानीय पार्षद को सूचना दी। पार्षद ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाया। अंदर पिता और बेटे के शव कमरे में पड़े मिले। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

नाली में मिला नवजात का शव

जिला अस्पताल के मातृत्व-शिशु विभाग के पीछे नाली में एक नवजात बच्चे का शव मिला। शनिवार को कचरा बीनने वाली एक महिला ने नाली में कुछ बहता हुआ देखा। पास जाकर देखने पर उसे नवजात का शव दिखाई दिया। इसके बाद उसने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी।

लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही दुर्ग सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाली से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मरच्युरी में रखवा दिया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक नवजात भ्रूण करीब 6 महीने का बताया जा रहा है और उसका शरीर काफी हद तक विकसित था। घटना सामने आने के बाद अस्पताल परिसर और आसपास के इलाके में लोगों की भीड़ लग गई। इस घटना को लेकर लोगों में काफी नाराजगी भी देखी जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए मरच्युरी में रखवाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम रविवार को पोस्टमार्टम करेगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चे की मौत की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी।

कान्यकुब्ज समाज छत्तीसगढ़ के विकास में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है और यह समाज प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के आशीर्वाद भवन में आयोजित कान्यकुब्ज शिक्षा मंडल के होली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एक सूत्र में जोड़ने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में गोधन संरक्षण और गौसेवा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी कड़ी में राज्य में गौधाम योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के तहत प्रदेश के सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से गौधाम स्थापित किए जाएंगे, जहां बेसहारा और घुमंतू गौवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शासकीय भूमि पर स्थापित सभी गौधाम अब सुरभि गौधाम के नाम से जाने जाएंगे। इन गौधामों में पशुपालन, हरा चारा उत्पादन तथा गोबर से उपयोगी उत्पाद तैयार करने से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे, जिससे स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रभु श्रीराम से विशेष संबंध है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। उन्होंने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 42 हजार से अधिक रामभक्तों को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराए जा चुके हैं। वहीं मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत बुजुर्गों को विभिन्न तीर्थस्थलों का दर्शन कराया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 की शुरुआत की गई है। इस योजना के तहत 28 लाख 42 हजार उपभोक्ताओं को 757 करोड़ रुपये से अधिक की राहत मिलेगी। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता मोर बिजली ऐप के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं। इसके लिए राज्यभर में समाधान शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला तथा कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल के पदाधिकारियों सहित सभी आयोजकों को आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, कान्यकुब्ज सभा-शिक्षा मंडल के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, पत्रकार शिरीष मिश्रा, राजेश मिश्रा अरविन्द अवस्थी, मोहन तिवारी, गौरव शर्मा सहित बड़ी संख्या में कान्यकुब्ज समाज के गणमान्यजन उपस्थित थे।

खास खबर

मिलिट्री पाइप बैंड स्पर्धा में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान : मुख्यमंत्री साय ने द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल के छात्रों को दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल रायपुर के छात्रों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आपकी इस उपलब्धि से न केवल आपके विद्यालय, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। यह राज्य के लिए गर्व का विषय और एक बड़ी उपलब्धि है।

इस अवसर पर स्कूल के संचालक सिद्धार्थ सिंह, कमांडेंट (सेवानिवृत्त) कर्नल आरके वर्मा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष शिक्षा मंत्रालय एवं रक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जिसमें देशभर के सैनिक स्कूल भाग लेते हैं। छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल, रायपुर ने इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता जिला स्तर से प्रारंभ होकर राज्य स्तरीय, जोन स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर तक आयोजित की जाती है। छत्तीसगढ़ दक्षिण जोन का हिस्सा है, जिसमें केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के सैनिक स्कूल शामिल होते हैं।

गढ़फुलझर नानकसागर में होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

आस्था और पर्यटन का प्रमुख केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महासमुंद जिले के बसना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक एवं पवित्र स्थल गढ़फुलझर के नानकसागर में आयोजित होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यहां पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेका तथा विशेष कीर्तन समागम और अरदास में भाग लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सिख समाज की ओर से मुख्यमंत्री को सरोपा भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि गढ़फुलझर की पावन धरती स्थित नानकसागर अत्यंत श्रद्धा और आस्था का केंद्र है, जहां पूज्य गुरु नानक देव जी के चरण पड़े हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ संतों की तपोभूमि रही है, जहां अनेक महान संतों ने मानवता, सेवा और सद्भाव का संदेश दिया है। इस पवित्र स्थल पर आकर उन्हें अत्यंत गर्व और आत्मिक आनंद की अनुभूति हो रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी प्रमुख तीर्थस्थलों के संरक्षण और समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में गढ़फुलझर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। इसके विकास कार्यों के लिए लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है और निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा नानकसागर क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाए, जिससे यह स्थल प्रदेश और देश के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन सके।

बसना विधायक संपत अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि सिख समाज सदैव संगठन, सेवा और सामाजिक समरसता की भावना के साथ आगे बढ़ने वाला समाज रहा है। उन्होंने कहा कि गढ़फुलझर न केवल सिख समाज की आस्था का केंद्र है, बल्कि यह सर्वधर्म समभाव और सद्भावना की जीवंत मिसाल भी है। कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, बसना विधायक संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सवन्नी, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा सहित सिख समाज के अनेक गणमान्यजन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मंत्री गजेन्द्र यादव अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के प्रांतीय अधिवेशन में हुए आमंत्रित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत के आगामी प्रांतीय अधिवेशन के संबंध में परिषद के पदाधिकारियों ने प्रदेश के विधि मंत्री गजेन्द्र यादव से भेंट कर उन्हें अधिवेशन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रदेश महामंत्री धर्मेश श्रीवास्तव एवं दुर्ग जिला अध्यक्ष दीपेंद्र देशमुख के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले प्रांतीय अधिवेशन में शामिल होने हेतु विधि मंत्री को आमंत्रण पत्र सौंपा। इस अवसर पर विधि मंत्री गजेंद्र यादव ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए प्रांतीय अधिवेशन में रायपुर पहुंचकर शामिल होने की सहमति प्रदान की। उन्होंने अधिवक्ता परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है और ऐसे अधिवेशन से विधि क्षेत्र में सकारात्मक संवाद को बढ़ावा मिलता है।

इस दौरान परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संतोष सोनी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य समीर त्रिपाठी, शक्ति जिले के अध्यक्ष चितरंजन पटेल, दुर्ग जिला महामंत्री राजेश महादिक तथा कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

शाला के जीर्णोद्धार व नए भवन का लोकार्पण कर विधायक मिश्रा ने दी सौगात

रायपुर। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 अंतर्गत रमण मन्दिर वार्ड क्रमांक 14 के क्षेत्र में चुनाभट्ठी में सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत लगभग 9 लाख में जीर्णोद्धारित नवीन स्वरूप में शासकीय प्राथमिक शाला चुनाभट्ठी के नए भवन का लोकार्पण नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम एमआईसी सदस्य महेन्द्र खोडियार, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि मोहन एंटी, नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता पीडी धृतलहरे सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति में सौगात दी।

साइबर ठगों से बचने की पॉवर कंपनी ने की उपभोक्ताओं से अपील

जानकारी

विद्युत उपभोक्ता रहे सतर्क, सतकर्ता ही समझदारी

मोर बिजली मोबाइल एप केवल Play Store या App Store से ही डाउनलोड करें

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के पंजीयन अथवा किसी भी प्रकार के भुगतान के लिए किसी अनजान वॉट्सएप, मेल अथवा एसएमएस पर क्लिक करने से बचें। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के नाम पर किसी भी लिंक या एपीके फाइल को डाउनलोड न करें। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी अपनी किसी भी योजना अथवा सेवा के लिए कभी भी कोई एपीके पाइल अथवा कोई वेब लिंक नहीं भेजती है।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी से के एमडी भीम सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना को आम उपभोक्ता तक पहुँचाने पॉवर कंपनी मैदानी स्तर पर शिविर का करेगी। उपभोक्ता अपना कोई भी भुगतान सिर्फ मोर बिजली एप, कंपनी की वेबसाइट, एटीपी सेंटर अथवा नजदीकी कार्यालय में ही करें, किसी मैदानी कर्मचारी को भी नकद भुगतान न करने की सलाह दी गई है। पंजीयन राशि के भुगतान की सुविधा केवल मोर बिजली एप, एटीपी केंद्र और संबंधित विद्युत कार्यालय के माध्यम से ही उपलब्ध कराई गई है। बिजली बिल भुगतान हो या कोई अन्य सूचना पॉवर कंपनी अपने उपभोक्ताओं को संदेश सिर्फ CSPDCL-S सेंडर ID से ही भेजती है।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना अथवा विद्युत सेवा से संबंधित किसी अन्य जानकारी के लिए पॉवर कंपनी की केंद्रीकृत कॉल सेंटर के टोल फ्री नंबर 1912 पर उपभोक्ता कॉल कर सकते हैं, अथवा नजदीकी सीएसपीडीसीएल के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

समृद्ध व सुलभ ग्रामीण भारत के लिए मजबूत आधारभूत संरचना है पुल-मंत्री वर्मा

राजस्व मंत्री वर्मा ने 7 .82 करोड़ की लागत से बनने वाले नवापारा-सकरी-सतभांवा मार्ग का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि समृद्ध और सुलभ ग्रामीण भारत के लिए मजबूत आधारभूत संरचना आवश्यक है। पुल केवल दो छोरों को नहीं जोड़ते, बल्कि जीवन, अवसर और विकास की संभावनाओं को जोड़ते हैं। गाँवों को बाजार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार से जोड़ने के लिए यह संरचनाएं रीढ़ की हड्डी जैसी होती हैं। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिला के विकासखंड सिमगा के ग्राम सकरी में नवापारा-सकरी-सतभांवा मार्ग निर्माण कार्य का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। पुल-पुलियों सहित इस मार्ग का निर्माण 7 करोड़ 82 लाख 58 हजार रुपए की लागत से किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और ग्रामीण विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए काम कर रही है और इस बार जिले में कई महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण को स्वीकृति मिली है। प्रदेश में बेहतर सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे गांवों का शहरों से संपर्क और मजबूत होगा।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि किसानों के हित में सरकार लगातार कार्य कर रही है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बाद कृषक उन्नति योजना के तहत शेष राशि का एकमुश्त भुगतान भी होली से पहले किसानों को कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अधिकांश गारंटी पूरी हो चुकी हैं। विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष डॉ. दौलतराम पाल, जिला पंचायत सदस्य डॉ. मोहन वर्मा, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

छग चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने ट्रांसपोर्ट संघों के साथ की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शनिवार को राजधानी के तेलीघानी नाका एवं फाफाडीह चौक जैसे व्यस्त व्यापारिक क्षेत्रों में शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध से उपजी समस्याओं को लेकर आज छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी एवं ट्रांसपोर्ट एसोसियेशन के प्रतिनिधि मंडल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में राजधानी गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन और छत्तीसगढ़ परचून ट्रांसपोर्ट संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों सहित 200 से अधिक ट्रांसपोर्टर उपस्थित रहे।

ट्रांसपोर्टरों और व्यापारियों ने साझा रूप से अपनी परेशानियां बताईं-जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान, कूलर, एसी और अन्य जरूरी उत्पादों की डिलीवरी समय पर नहीं हो पा रही है। गोदामों तक माल नहीं पहुँचने के कारण व्यापारियों को भारी वित्तीय हानि हो रही है। रायपुर एक होलसेल मंडी है जहाँ से पूरे प्रदेश में माल जाता है। प्रतिबंध के कारण 90 प्रतिशत माल की आवाजाही रुक गई है, लोडिंग-अनलोडिंग के लिए प्रशासन द्वारा कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं दी गई है।

बैठक को संबोधित करते हुए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा कि, व्यापारिक गतिविधियों का इस तरह बाधित होना न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता। गर्मी के सीजन में कूलर और एसी एवं दैनिक उपभोग की वस्तुओं, उत्पादों की मांग चरम पर होती है, ऐसे में वाहनों पर प्रतिबंध से व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। चेम्बर जल्द ही इस विषय को प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखेगा साथ ही आश्वासन दिया कि व्यापारी प्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच तत्काल एक बैठक आयोजित की जाएगी ताकि यातायात व्यवस्था भी बनी रहे और व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

उन्होंने यह भी कहा कि हम प्रशासन के समक्ष ट्रांसपोर्टरों के लिए शहर के बाहर व्यवस्थित जमीन उपलब्ध कराने की मांग रखेंगे ताकि शहर को ट्रैफिक से निजात मिले और व्यापारियों का काम भी सुचारू रूप से चल सके।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, सलाहकार गुरजीत सिंह संधू, कार्यकारी अध्यक्ष- राधाकिशन सुंदरानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष- लोकेश चंद्रकांत जैन, मनीष प्रजापति, मंत्री राजेंद्र पारख, ट्रांसपोर्ट चेम्बर अध्यक्ष हरचरण सिंह साहनी, छत्तीसगढ़ परचून ट्रांसपोर्ट संघ के महामंत्री कमल किशोर गोलछा, महावीर जैन, याकूब मोकाती, अशोक लोहिया, फिरोज अहमद, विष्णु गुप्ता, आशीष अग्रवाल, राजधानी गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा, पिंटू सिंह, रोशन शर्मा, उमेश वर्मा एवं रूपक चंद्रवंशी, अनुज गर्ग, गुरप्रीत सिंह बग्गा, देवेंद्र वर्मा, विशाल हुन्दानी, हरीश पंजवानी, पंकज अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, हनुमान प्रसाद मिश्रा, सतीश तिवारी, सोनू नायक, संदीप सिंह, शेख शाबीर, नरेश साहू, विकास अग्रवाल, कुशाल पांडे, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, जगदीश, सौरभ विश्वकर्मा, प्रदीप साहू, अनिल चैहान, शब्बीर अली सहित बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर्स उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ साय सरकार की बड़ी कार्रवाई, SOG और एंटी नारकोटिक्स सेल का किया गठन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नशे के खिलाफ सरकार ने अब निर्णायक जंग छेड़ दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में नशे के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। सरकार ने एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) और एंटी नारकोटिक्स सेल का गठन किया है। इन विशेष इकाइयों का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में फैल रहे नशे के अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई करना और नेटवर्क को तोड़ना होगा। सरकार का कहना है कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे लोगों पर कानून का शिकंजा कसा जाएगा। इसके साथ ही पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीति भी तैयार की गई है। प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ पुलिस और प्रशासन मिलकर कार्रवाई करेंगे, ताकि नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

मुख्यमंत्री साय ने ओमप्रकाश जायसवाल के पिता के निधन पर पहुंचे सांत्वना देने

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को रामानुजगंज पहुंचे उन्होंने ओमप्रकाश जायसवाल के पिताजी स्व. जागेश्वर प्रसाद जायसवाल के निधन पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

उन्होंने परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। ज्ञातव्य है कि विगत 05 मार्च 2026 को जागेश्वर प्रसाद जायसवाल का निधन हो गया था। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, अखिलेश सोनी, अन्य जनप्रतिनिधिगण, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा दीपक झा, कलेक्टर राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, वनमण्डलाधिकारी आलोक बाजपेई, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित जायसवाल के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संपादकीय

युध्द शुरू करना आसान, खत्म करना बहुत मुश्किल है

पृथ्वी पर मानव समाज के इतिहास का एक बड़ा हिस्सा युध्दों का रहा है। दुनिया में अक्सर कहीं न कहीं युध्द होते रहते हैं, हिंसा की गतिविधियां होती रहती हैं। इसलिए कहा जाता है कि हर शांति का काल किसी न किसी युध्द की तैयारी का होता है। शांति के समय कहीं न कहीं युध्द की तैयारी होती रहती है और जैसे ही युध्द होता है और दुनिया के देश प्रभावित होते हैं तो सब शांति की कामना करने लगते हैं। विश्व में बहुत सारे देश हैं और हर दस बीस साल में किसी न किसी देश में ऐसा नेता पैदा हो जाता है जो युध्द का कारण होता है या बन जाता है। युध्द चाहने वाला नेता पैदा होता है तो फिर उस देश को युध्द के लिए किसी बहाने की जरूरत होती है। यूक्रेन, ईरान, अमरीका, इजराइल, रूस आदि को युध्द के लिए एक बहाने की जरूरत थी।

यूक्रेन की नाटों की सदस्यता के नाम पर रूस व यूक्रेन के बीच शुरू हुआ युध्द चल ही रहा है। इसे रोकने के कई प्रयास किए गए लेकिन यह युध्द किसी भी तरह के प्रयास से रूका नहीं है। माना जाता है कि रूस को युध्द में उलझा कर कमजोर करने के लिए ही यह युध्द शुरू किया गया। लेकिन रूस न तो कमजोर हुआ और न ही अमरीका का सामने झुका है। मिडिल ईस्ट में शांति थी, यह शांति ईरान को अच्छी नहीं लगी। बहुत सारे देश शांति से विकास चाहते थे, वह इसके लिए अपने संबंधो को सुधारने का प्रयास कर रहे थे। यह ईरान का पसंद नहीं आया और उसने अपने पाले हुए आतंकवादी संगठन को इजराइल पर हमला के लिए उकसा दिया। मिडिल ईस्ट आज युध्द की आग में झुलस रहा है तो उसके लिए ईरान व हमास दोषी हैं। पूरी दुनिया युध्द से प्रभावित है तो इसके लिए ईरान दोषी है।

यूक्रेन व ईरान की एक गलती से युध्द तो शुरू हो गया लेकिन यह कड़वी सच्चाई है कि युध्द शुरू करना तो आसान होता है लेकिन उसे खत्म करना आसान नहीं होता है। यूक्रेन चाहता है युध्द समाप्त हो जाए, रूस भी चाहता है कि युध्द खत्म होना चाहिए। इसके लिए बातचीत होती रहती है लेकिन युध्द जारी है। अब जब ईरान, इजराइल व अमरीका के बीच युध्द दस दिन से ज्यादा हो गए हैं। अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप कहते है कि युध्द जल्द समाप्त हो जाएगा लेकिन इजराइल कहता है कि उसका मिशन अभी पूरा नहीं हुआ है। वहीं ईरान की तरफ से कहा गया है कि जंग कब खत्म होगी यह हम तय करेंगे। यानी ट्रंप भले ही खुद को देशों के बीच युध्द रुकवाने वाले नेता माने लेकिन ईरान के साथ जो युध्द चल रहा है उसे ट्रंप चाहें तो भी नहीं रुकने वाला है क्योंकि ईरान ने ऐसी शर्ते रख दी हैं कि ट्रंप के लिए मानना मुश्किल है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने युध्द समाप्त करने के लिए तीन शर्ते रखीं हैं। पहली शर्त है कि इजराइल व अमरीका को ईरान के अधिकारों को मान्यता देनी होगी। दूसरा युध्द में हुए नुकसान की भरपाई करनी होगी, तीसरा भविष्य में किसी भी हमले के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय गारंटी देनी होगी। वहीं सुप्रीम लीडर खामनेई ने कहा है कि अमरीकी हमले में मारी गई स्कूली बच्चियों और अन्य शहीदों के खून का बदला लिए बिना ईरान पीछे नही हटेगा। अमरीकी सैन्य अड्डो पर हमले और तेज किए जाएंगे। युध्द के ऐसे नए मोर्चे खोले जाएंगे जिसकी दुश्मनों ने कल्पना नहीं की होगी। होर्मुज को बंद रखने की रणनीति जारी रहेगी। ईरान के इस तेवर से साफ जाहिर है कि उसे युध्द को जारी रखने के लिए रूस व चीन से मदद मिल रही है।यानी अमरीका अब युध्द से निकलना चाहता है लेकिन अब चीन व रूस उसे ईरान युध्द में उलझाए रखना चाहते हैं। यानी तीन बड़े देशों अमरीका, चीन व रूस के कारण दुनिया में जहां जहां युध्द चल रहा है वह चलता रहेगा।दुनिया के बहुत सारे देश इससे कई तरह से प्रभावित रहेंगे।

चाहता तो चीन यह भी था कि भारत भी पाकिस्तान के साथ युध्द में लंबे समय के लिए उलझा रहे। भारत ने आपरेशन सिंदूर के रूप में जब पाकिस्तान स्थित आतंकियों के ठिकानों को नष्ट करने का लक्ष्य तय किया था तो उसका लक्ष्य साफ था, उसकी पूरी तैयारी की।उसे यह भी मालूम था कि यह काम कितने समय में पूरा हो जाएगा और पाकिस्तान ने यदि जवाबी हमला किया तो क्या करना है और कैसे करना है। भारत ने पाकिस्तान को बताकर आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया कि यह हमला पाकिस्तान पर नहीं है। इसलिए आपरेशन सिंदूर सैन्य कार्रवाई तक सीमित रहा। पाकिस्तान ने जरूर भारत पर हमला किया और उसे ऐसा जवाब मिला कि उसे खुद ही सैन्य कार्रवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा। इस मायने में पीएम मोदी पुतिन, ट्रंप व नेतन्याहू से बेहतर नेता साबित हुए हैं, वह जो चाहते थे किया भी और चीन जो चाहता था वह होने नहीं दिया।

सू- दोकू क्र. 343

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.342 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

वनांचल की किस्मत बदलने वाली फसल साबित हुई इमली

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

इमली प्रसंस्करण समिति चितापुर की महिला समूह की दीदियों ने अपनी मेहनत और लगन के बूते यह सिद्ध कर दिया है कि यदि ग्रामीण संसाधनों का सही तरीके से प्रसंस्करण किया जाए, तो आर्थिक स्वावलंबन की राह आसान हो जाती है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत गठित उत्पादक समूह आजीविका इमली प्रसंस्करण समिति की दीदियों ने इमली के परंपरागत संग्रहण को एक आधुनिक और लाभप्रद व्यवसाय का रूप दे दिया है। समूह की इन महिलाओं द्वारा किए जा रहे इसी उत्कृष्ट और संगठित कार्य को पिछले दिनों राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में विशेष रूप से रेखांकित करते हुए उन्हें मंच पर सम्मानित किया गया।

बस्तर जिले के दरभा विकासखंड अंतर्गत सुदूर ग्राम तुआरास-चितापुर की महिलाओं ने अपनी मेहनत और नवाचार से इमली को वनांचल की किस्मत बदल देने वाली फसल साबित कर दिखाया है। इस समूह की कार्यप्रणाली पूर्णतः पेशेवर और गुणवत्ता पर आधारित है, जहाँ महिलाएँ स्वयं इमली की खरीदी सुनिश्चित करती हैं। खरीदी के उपरांत समूह की सदस्य बड़ी ही कुशलता से इमली का रेशा और बीज निकालकर उसे पूरी तरह शुद्ध करती हैं। महिलाओं के इसी हुनर का परिणाम है कि आज वे साधारण इमली से उच्च गुणवत्ता वाला इमली फूल और विशेष रूप से इमली चपाती तैयार कर रही हैं, जिसकी बाजार में भारी मांग है।

आजीविका इमली प्रसंस्करण समिति चितापुर की सदस्य पदमिनी कश्यप बताती हैं कि अब ग्राहकों की सुविधा और बाजार की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इन उत्पादों की 200 ग्राम, 500 ग्राम और 1000 ग्राम के आकर्षक पैकेटों में पैकेजिंग कर स्वयं इसका विक्रय भी संभाल रही हैं। बिहान योजना के माध्यम से एकजुट होकर इन महिलाओं ने न केवल अपनी आय में वृद्धि की है, बल्कि लखपति दीदी बनने की दिशा में एक सशक्त कदम बढ़ाया है। कार्यक्रम में इन महिलाओं के अटूट परिश्रम और उद्यमशीलता की मुक्त कंठ से सराहना की गई, जो आज पूरे बस्तर संभाग के लिए प्रेरणा का केंद्र बनी हुई हैं। यह सम्मान दरभा की उन सैकड़ों महिलाओं के सामूहिक प्रयास की जीत है, जो अब आर्थिक रूप से सुदृढ़ होकर समाज की मुख्यधारा में अपना स्थान बना रही हैं।

सपनों को उड़ान देने जरूरत होती है साहस और संकल्प की

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख नहीं, साहस और संकल्प की जरूरत होती है। इसी बात को सत्य साबित किया है छत्तीगसढ के धमतरी की एक साधारण लेकिन जुझारू युवती एनु ने, जो आज 'स्कूटी दीदी' के नाम से जानी जाती हैं। संसाधनों की कमी, सामाजिक दबाव और सीमित अवसरों के बावजूद एनु ने न केवल आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को भी सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई।

एनु का जन्म एक सामान्य ग्रामीण परिवार में हुआ, जहाँ आर्थिक स्थिति सशक्त नहीं थी। परिवार में आय के सीमित स्रोत थे, और लड़कियों की शिक्षा को लेकर अब भी संकोच और संकीर्ण सोच थी। परन्तु एनु की सोच इससे बिल्कुल अलग थी। वे हमेशा कुछ नया करने और अपने पैरों पर खड़े होने की इच्छा रखती थीं। कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं के बीच भी उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और अथर्शास्त्र में परास्नातक की उपाधि हासिल की। यह उपलब्धि ही अपने आप में उनके संघर्ष और लगन का प्रतीक थी।

एनु का लक्ष्य केवल डिग्री लेनी ही मंजिल नहीं थी। एनु जानती थीं कि केवल शिक्षा से रोजगार नहीं मिलेगा, जब तक उनके पास कोई कौशल न हो। इसी सोच के साथ उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान से जुड़कर सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण लिया। इस प्रशिक्षण ने उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में पहला मजबूत कदम उठाने का अवसर दिया। लेकिन उनका सपना सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं था। एनु का अगला कदम था -मोबिलिटी यानी गतिशीलता की। वे चाहती थीं कि खुद स्कूटी चला सकें, ताकि

गांव-गांव जाकर महिलाओं से मिलें, प्रशिक्षण दें और उनके जीवन को बदलने में योगदान दे सकें, लेकिन एक ग्रामीण युवती के लिए दोपहिया वाहन चलाना समाज के लिए असामान्य बात थी। इसके लिए उन्हें न केवल आत्मसंदेह से लड़ना पड़ा, बल्कि समाज की रूढ़िवादी सोच से भी लडना पडा। यही पर 'प्रथम संस्था' ने उन्हें स्कूटी चलाने का प्रशिक्षण दिया। पहले-पहले जब उन्होंने स्कूटी की चाबी हाथ में ली, तो लोगों ने ताने दिए - 'लड़की होकर गाड़ी चलाएगी?', 'क्या जरूरत है इधर-उधर घूमने की?', लेकिन एनु अडिग रहीं। उन्होंने अपने आत्मविश्वास के साथ इन बातों को अनसुना कर, प्रैक्टिस जारी रखी और जल्द ही स्कूटी चलाने में दक्ष हो गईं।

धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास और कौशल दोनों बढ़ने लगे। अब वे गांवों में स्वतंत्र रूप से घूमने लगीं, महिलाओं से जुड़ीं, उन्हें मोटिवेट करने लगीं और अपनी यात्रा की कहानी सुनाकर उनमें भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देने लगीं। यही वह मोड़ था जब उन्होंने तय किया कि अब वह खुद एक ड्राइविंग स्कूल शुरू करेंगी, ताकि अन्य महिलाओं को भी गाड़ी चलाना सिखा सकें। यह पहल ग्रामीण परिवेश में महिलाओं की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम था। सन 2023 में एनु अपने सीमित संसाधनों के साथ महिला दोपहिया प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की। शुरू में केवल 2-3 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया, लेकिन जल्द ही यह संख्या बढ़ती चली गई। आज उनकी पहचान पूरे ब्लॉक और जिले में स्कूटी दीदी के रूप में हो गई है। उन्होंने अब तक 30 से अधिक ग्रामीण महिलाओं को दोपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिया है, जिनमें से कई महिलाएं अब स्वयं स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र या बैंक जैसी जगहों पर काम करने के लिए आत्मनिर्भर रूप से आने-जाने लगी हैं।

एनु की यह पहल न केवल महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता लाई है, बल्कि सामाजिक सोच को भी बदला है। अब गांवों में लोग अपनी बेटियों और बहुओं को एनु के पास भेजते हैं, यह सीखने कि कैसे वे भी अपने सपनों की सवारी कर सकती हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों ने उन्हें सम्मानित भी किया है। हाल ही में उन्हें जिला प्रशासन द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। एनु का सपना है कि वे आने वाले वर्षों में 1000 महिलाओं को ड्राइविंग सिखाएं और इसके लिए वे जल्द ही चारपहिया ड्राइविंग स्कूल भी शुरू करने की योजना बना रही हैं। एनु का जीवन इस बात का प्रमाण है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। उनकी कहानी हर उस महिला के लिए प्रेरणा है, जो समाज की जंजीरों को तोड़कर आगे बढ़ना चाहती है। स्कूटी दीदी एनु ने दिखा दिया कि सच्ची ताकत बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल और दृढ़ निश्चय में होती है।

जीवन के पन्ने पलटने प्रेरित करती 'जब खुली किताब'

पंकज दुबे

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है।.. डिंपल कपाडि?ा का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फिल्म की आत्मा बन जाते हैं।

मौजूदा दौर में जब अधिकांश हिंदी फिल्में तेज रफ्तार मनोरंजन, एक्शन और सतही रोमांस के ईर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती हैं, ऐसे में कुछ फिल्में ऐसी भी आती हैं, जो दशर्कों को ठहर कर सोचने पर मजबूर करती हैं। लेखक-निर्देशक सौरभ शुक्ला की फिल्म "जब खुली किताब" ऐसी ही एक संवेदनशील और आत्ममंथन कराने वाली फिल्म है। यह फिल्म किसी बड़े नाटकीय घटनाक्रम या बाहरी शोर-शराबे पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले संवादों, रिश्तों के अनकहे दर्द और समय की परतों में दबे सच को धीरे-धीरे खोलती है, बिलकुल एक पुरानी किताब की तरह, जो वर्षों बाद खुलने पर अपनी महक और स्मृतियों से हमें भर देती है।

फिल्म का शीर्षक ही अपने आप में एक रूपक है, किताब, जो खुलने पर सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि जीवन के छिपे अध्याय सामने ले आती है। सौरभ शुक्ला ने इस विचार को बेहद सूक्ष्म और संवेदनशील तरीके से पर्दे पर उतारा है। फिल्म की कहानी मूलतः कुछ ऐसे लोगों के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में कई अनकहे सच और अधूरे संवाद छिपे हुए हैं। उम्र के एक ऐसे पड़ाव पर पहुंचकर, जब इंसान पीछे मुड़ कर अपने जीवन को देखने लगता है, तब उन्हें अहसास होता है कि कई बातें कहे बिना रह गईं, कई रिश्ते समझे बिना ही टूट गए और कई फैसलों की वजहें कभी खुलकर सामने नहीं आईं।

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है। एक ऐसी चुप्पी, जो केवल शब्दों की कमी नहीं, बल्कि भावनाओं का बोझ है। समय के साथ जब परिस्थितियां बदलती हैं और लोग आमने-सामने बैठ कर अपने जीवन के पन्ने पलटते हैं, तब यह चुप्पी धीरे-धीरे खुलने लगती है। डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके चेहरे पर समय की परिपक्वता और जीवन के अनुभवों की झलक दिखाई देती है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फिल्म की आत्मा बन जाते हैं।

फिल्म में अपारशक्ति खुराना और समीर सोनी जैसे कलाकार भी हैं, जो नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की खाई को दर्शाते हैं। यह पीढ़ियों के बीच का वह अंतर है जहां एक तरफ अनुभवों की विरासत है और दूसरी तरफ बदलते समय की बेचैनी। सौरभ शुक्ला के निर्देशन में सादगी में गहराई साफ दिखती है। सौरभ हिंदी सिनेमा में एक ऐसे कलाकार हैं, जिनकी पहचान बहुआयामी है। वे अभिनेता भी हैं, लेखक भी और निर्देशक भी। 'जब खुली किताबङ में उनका लेखक और निर्देशक दोनों रूप बेहद परिपक्वदिखाई देता है। उन्होंने इस फिल्म को किसी बड़े सिनेमाई तमाशे की तरह नहीं रचा, बल्कि एक अंतरंग नाटक की तरह गढ़ा है। फिल्म का ट्रीटमेंट बेहद संयमित है। संवादों में शोर नहीं है, बल्कि एक गहरी संवेदना है। कई जगहों पर सौरभ शुक्ला संवादों की बजाय मौन का इस्तेमाल करते हैं और यही मौन दर्शक को पात्रों के मन के भीतर झांकने का मौका देता है।

दरअसल, पहले 'जब खुली किताबङ एक नाटक के रूप में बनाया गया गया था, जिसमे मुख्य भूमिका में भी सौरभ ने खुद ही काम किया था। यह फिल्म हमें याद दिलाती है कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को समझने का भी एक जरिया हो सकता है। इस फिल्म की एक बड़ी ताकत इसके कलाकार हैं। पंकज कपूर हिंदी सिनेमा और रंगमंच के उन दुर्लभ अभिनेताओं में से हैं, जो चरित्र को जीवित कर देते हैं। इस फिल्म में उनका अभिनय अत्यंत सूक्ष्म और प्रभावशाली है। वे अपने चेहरे के भाव, आंखों की नमी और आवाज के उतार-चढ़ाव से एक ऐसे व्यक्ति की मनःस्थिति को दर्शाते हैं, जो वर्षो से अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जी रहा है। डिंपल कपाड़िया का अभिनय भी बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने अपने किरदार में गरिमा और संवेदनशीलता का सुंदर संतुलन बनाया है। उनके संवादों में एक गहराई है और कई बार उनका मौन ही सबसे अधिक बोलता है।

अपारशक्ति खुराना इस फिल्म में एक अलग रंग लेकर आते हैं। वे आज की पीढ़ी की बेचैनी, सवाल और व्यावहारिकता को बखूबी प्रस्तुत करते हैं। उनके अभिनय में सहजता है और वे फिल्म के भावनात्मक प्रवाह को संतुलित करते हैं। समीर सोनी भी अपने सीमित लेकिन महत्वपूर्ण किरदार में प्रभाव छोड़ते हैं। उनका अभिनय कहानी के कई भावनात्मक आयामों को उजागर करता है। फिल्म के संवाद में कसावट है। सौरभ शुक्ला ने संवादों को साहित्यिक होने के बावजूद बेहद स्वाभाविक रखा है। कई संवाद ऐसे हैं, जो सीधे दशर्कों के दिल तक पहुंचते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म यह सवाल उठाती है कि क्या हम सच में अपने प्रियजनों को समझ पाते हैं, या हम केवल उनके बारे में अपनी धारणाएं बना कर जीते रहते हैं?

फिल्म बार-बार यह अहसास कराती है कि जीवन में सबसे कठिन काम सच बोलना नहीं, बल्कि सच स्वीकार करना होता है। संगीत और बैकग्राउंड स्कोर कहानी के भावनात्मक स्वर को मजबूत करता है। संगीत कहीं भी कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि एक हल्की-सी धुन की तरह साथ चलता है। सिनेमैटोग्राफी भी बेहद सादगीपूर्ण लेकिन प्रभावी है। कैमरा कई बार पात्रों के चेहरे पर ठहर जाता है, जैसे वह उनकी आत्मा को पढ़ने की कोशिश कर रहा हो। फिल्म का संपादन भी संतुलित है। कहानी धीरे-धीरे आगे बढ़ती है, लेकिन कहीं भी बोझिल नहीं लगती।

'जब खुली किताब' केवल एक कहानी नहीं है, बल्कि यह रिश्तों पर एक दार्शनिक टिप्पणी भी है। फिल्म यह सवाल उठाती है कि क्या हम अपने जीवन को सचमुच समझ पाते हैं? क्या हमारे रिश्ते उतने ही सरल होते हैं जितना हम उन्हें मान लेते हैं? कई बार हम अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण लोगों को सबसे कम समझते हैं। हम उनके बारे में जो कहानी अपने मन में बना लेते हैं, वही हमारे लिए सच बन जाती है। लेकिन जब किसी दिन वह "किताब" सचमुच खुलती है, तब हमें अहसास होता है कि हम कितनी गलतफहमी में जी रहे थे।

आज के दौर में जब रिश्ते अक्सर त्वरित संदेशों, सोशल मीडिया और व्यस्त जीवनशैली के बीच कहीं खो जाते हैं, ऐसी फिल्में हमें यह याद दिलाती हैं कि संवाद और संवेदना कितने जरूरी हैं। यह फिल्म बखूबी बताती है कि हर व्यक्ति अपने भीतर एक किताब लिए घूमता है। एक ऐसी किताब, जिसमें उसके डर, प्रेम, पछतावे और उम्मीदें दर्ज होती हैं लेकिन अक्सर वह किताब बंद ही रह जाती है। 'जब खुली किताबङ कोई पारंपरिक व्यावसायिक फिल्म नहीं है। यह एक धीमी, विचारशील और संवेदनशील फिल्म है, जो दशर्कों से धैर्य और भावनात्मक जुड़ाव की मांग करती है। लेकिन जो दर्शक इस यात्रा में शामिल होते हैं, उन्हें यह फिल्म लंबे समय तक याद रहती है।

सौरभ शुक्ला ने इस फिल्म के माध्यम से यह साबित किया है कि सिनेमा अभी भी मानवीय संवेदनाओं का सबसे प्रभावी माध्यम हो सकता है। यह फिल्म हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हमारे अपने जीवन में कितनी ऐसी किताबें हैं जो अभी तक खुलनी बाकी हैं। यह दर्शक को केवल कहानी नहीं सुनाती, बल्कि उसे अपने जीवन के पन्ने पलटने के लिए प्रेरित करती है।

आत्मा की शरणस्थली को संवारना : अहंकार

आत्मा की शरणस्थली को संवारना हममें से ज़्यादातर लोग इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि ज़िंदगी में रिश्ते उतने ही जरूरी हैं, जितना आत्मा के लिए शरीर। और इसलिए हममें से हर एक के लिए अच्छे रिश्ते बनाना और उन्हें बनाए रखना जरूरी है। मान लीजिए, अगर हमारे हाथ पर कोई छोटा सा घाव हो जाए, तो हम क्या करेंगे? क्या हम उसे काटकर फेंक देंगे? नहीं, है ना? बल्कि, हम उसका सही मेडिकल इलाज करवाएँगे।

जाहिर है क्योंकि हम जानते हैं कि हाथ हमारे लिए बहुत काम के हैं, लेकिन क्योंकि घाव दुखते हैं, इसलिए हम उनका इलाज करवाते हैं। इसी तरह, हम जानते हैं कि दिल पूरे शरीर के मुख्य अंगों में से एक है, इसलिए हमें उससे कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन उसमें रुकावटें जैसे ब्लॉकेज हमें जरूर दर्द और चिंता देंगे, है ना? इसी तरह, अगर उन लोगों में किसी भी तरह का स्वार्थ, गलत फायदा, द्वेष, जलन, बदले की भावना, नफरत, भेदभाव, झूठ है, जिनके साथ हमारे पारिवारिक, सामाजिक या किसी भी तरह के प्यार भरे रिश्ते हैं। तो, हमें इन कमियों रूपी रुकावटों को दूर करने के लिए सच्ची कोशिश करनी चाहिए, न कि उस इंसान से रिश्ता तोड़ना चाहिए।

जैसे दो ईंटों के बीच का चूना (सीमेंट) कमजोर होकर उखड़ जाता है, तो मिस्त्री रिश्ते को मजबूत करने के लिए फिर से चूने का घोल लगाता है, वैसे ही हमें भी अपने रिश्तों को मजबूत करने के लिए प्यार और स्नेह का सीमेंट लगाना चाहिए ताकि वे खट्टे न हों या आसानी से टूटें नहीं। जैसे बहती नदी, जब किसी चट्टान के सामने आती है, तो न तो अपना बहाव रोकती है और न ही चट्टान से कोई अनबन करती है, बल्कि उसके पैर धोते समय, वह अपनी दिशा थोड़ी बदलकर मंज़िल की ओर आगे बढ़ जाती है। हमें भी अपने रास्ते में आने वाली रुकावटों को सलाम करना चाहिए और अपनी परफेक्शन की मंज़िल की ओर आगे बढ़ना चाहिए। याद रखना! हिम्मत हारना, दुखी होना, निराश होना, अपने से बड़े या छोटे या बराबर के लोगों को कोसना, दूसरों पर इल्जाम लगाना, ये सब खुद को नुकसान पहुँचाने और खुद को नीचा दिखाने के तरीके हैं।

एक बार किसी ने आचार्य चाणक्य से पूछा झ ह्यइतने बड़े साम्राज्य के सबसे बड़े मंत्री होने के बावजूद, आप झोपड़ी में क्यों रहते हैं? तुम्हें एक आलीशान महल में रहना चाहिए ।ह्ल यह सुनकर आचार्य जी ने कहा झ ह्यलोगों के दिलों में मेरे लिए जो भरोसा है, वही मेरा आलीशान महल है, जिस दिन यह खत्म हो जाएगा, मेरा महल गिर जाएगा। जब तक यह रहेगा, मेरा आलीशान महल रहेगा।ह्ल इससे हमें यह सीखने की जरूरत है कि आत्मविश्वास और भगवान पर भरोसा - ये दो ऐसे जादुई पंख हैं जिनकी मदद से हम हर ऊंचाई को छू सकते हैं और समस्याओं के बढ़ते सागर को पार करने के लिए हजारों नए रास्ते बना सकते हैं और अपने रिश्तों को शांति, सम्मान, प्यार जैसे मूल्यों से भरकर उन्हें और मजबूत और अटूट बना सकते हैं।

राजधानी रायपुर का डंगनिया तालाब और भूजल संरक्षण की देती चुनौती

कृष्ण कुमार निगम

राजधानी रायपुर का डंगनिया तालाब इस समय लबालब भरा हुआ है, लेकिन इसके बावजूद नगर का ट्यूबवेल लगातार चलाया जा रहा है। यह ट्यूबवेल पीने योग्य भूमिगत स्वच्छ पानी से तालाब को भर रहा है, जिससे बहुमूल्य भूजल का अपव्यय हो रहा है। यह स्थिति नई नहीं है, बल्कि वर्षों से जारी है। सवाल यह है कि जब तालाब पहले से ही भरा हुआ है, तब भी भूमिगत जल को निकालकर उसमें डालने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है।

डंगनिया और डीडी नगर क्षेत्र में भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। कभी यहां का ग्राउंड वाटर स्तर लगभग 70 फीट पर हुआ करता था, लेकिन आज यह 200 फीट से भी अधिक गहराई तक पहुंच चुका है। यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट संकेत है कि हम अपने प्राकृतिक जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन कर रहे हैं। हाल ही में 12 मार्च के एक समाचार पत्र में भी इस विषय का उल्लेख किया गया, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि अब तक प्रशासन की ओर से इस दिशा में कोई ठोस पहल नजर नहीं आई है।

शहर के कई इलाकों में बोरवेल सूखने लगे हैं। डंगनिया क्षेत्र में अभी भी भूमिगत जल अपेक्षाकृत प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, लेकिन यदि इसी तरह तालाबों को अनावश्यक रूप से ट्यूबवेल के पानी से भरा जाता रहा, तो आने वाले समय में यहां के आवासीय बोरवेल भी शहर के अन्य क्षेत्रों की तरह सूख सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन इस अपव्यय को तुरंत रोकने की दिशा में कदम उठाएं।

यह भी समझना जरूरी है कि धरती के भीतर जल का भंडारण प्रकृति की एक धीमी और दीघर्कालिक प्रक्रिया है। बूंद-बूंद वर्षा का पानी वर्षों में जमीन के भीतर जमा होकर भूजल बनाता है। यदि हम इसे बिना सोचे-समझे निकालते रहेंगे, तो यह अमूल्य संसाधन तेजी से समाप्त हो जाएगा।

तालाबों में पंप लगाकर पानी भरने की व्यवस्था केवल शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में भी यह व्यवस्था देखने को मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग तालाबों में स्नान करते हैं और पशुओं को भी वहीं पानी पिलाया जाता है, इसलिए तालाबों में पानी बनाए रखने के लिए पंप लगाए जाते हैं। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इसके लिए लगातार भूजल का उपयोग किया जाए। इसके बजाय वर्षा जल का अधिकतम संचयन किया जाना चाहिए।

जल स्तर गिरने की समस्या केवल किसी एक क्षेत्र की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश और देश की एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। शहरों में तेजी से हो रहे कंक्रीट के निर्माण ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। नियमों के अनुसार किसी भी कॉलोनी या मकान में केवल 45 प्रतिशत क्षेत्र में ही पक्का निर्माण होना चाहिए, जबकि शेष 55 प्रतिशत हिस्सा खुला और कच्चा रहना चाहिए, ताकि वर्षा का पानी जमीन में समा सके। लेकिन व्यवहार में इन नियमों का पालन बहुत कम दिखाई देता है।

इसके अलावा रेन वाटर हार्वेस्टिंग यानी वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी शहरों में लगभग नगण्य है। यदि हर मकान, हर कॉलोनी और हर सार्वजनिक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू की जाए, तो भूजल स्तर को काफी हद तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

आज आवश्यकता है व्यापक जनजागरूकता की। जल संरक्षण केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि हम आज सचेत नहीं हुए, तो आने वाले समय में जल संकट और भी गंभीर रूप ले सकता है।

प्रकृति ने हमें जल का अनमोल उपहार दिया है। इसे बचाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। इसलिए जरूरी है कि डंगनिया तालाब जैसे मामलों में अनावश्यक भूजल दोहन को रोका जाए और जल संरक्षण के नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। तभी हम अपने शहर और पर्यावरण को सुरक्षित रख सकेंगे।

जड़ से खत्म होगा गठिया का दर्द

आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

पके कटहल से दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हें कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

हार्ट के साथ-साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद होगी ये एक्सरसाइज

कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.

कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

- सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
- इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें।
- हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें।
- ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्स या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं, टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

नुकसानदेह भी है सरसों

विशेषज्ञों के अनुसार, चाहे वह सरसों का तेल हो, पेस्ट हो या फिर कच्ची पत्तियां सभी हेल्दी मिनरल्स से भरपूर हैं। यह ओमेगा 3 फैटी एसिड का भी बेहतरीन स्त्रोत है और इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा सरसों का सेवन करते हैं, तो इससे स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। कई स्थितियों में यह जानलेवा तक साबित हो सकती है। अगर आप भी लंबे समय से सरसों के तेल या बीज का सेवन कर रहे हैं, तो आपको इसके साइड इफेक्ट्स के बारे में जरूर जानना चाहिए।

भारतीय खानों में अक्सर सरसों के तेल के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सरसों का तेल भारतीय मौसम के हिसाब से सेहत और सुंदरता के लिए फायदेमंद माना जाता है। यहां तक कि आयुर्वेद में भी सरसों के तेल का इस्तेमाल कई दवाइयों और उपचार में किया जाता है। सरसों के बारे में हर कोई जानता है। यह भारतीय किचन में मसाले के रूप में उपयोग होने वाली मुख्य सामग्री है। इसका इस्तेमाल अक्सर किसी खास रेसिपी बनाने या तड़का लगाने के लिए किया जाता है। इतना ही नहीं सरसों के तेल का इस्तेमाल भी भारतीय घरों में खूब होता है। बेहतरीन स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए लोग अलग-अलग तरह से इसका उपयोग करते हैं।

राइनाइटिस का खतरा

सरसों के तेल के लगातार सेवन से कई लोगों को राइनाइटिस हो सकता है। राइनाइटिस में बलगम की झिल्ली में सूजन हो जाती है, जिससे खांसी, छींकना, भरी हुई नाक, नाक से पानी बहाना जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं।

लंग कैंसर के लिए जिम्मेदार

सरसों के तेल में पाया जाने वाला इरूसिक एसिड फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाता है।

ड्रॉप्सी रोग

ड्रॉप्सी एक खतरनाक रोग है। यह रोग तेल में पूड़ी, कचौड़ी और पकवान बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए सरसों के तेल में अर्जीमोन तेल के मिलावट, सायनाइड के मिलावट के कारण ड्रॉप्सी की संभावना ज्यादा रहती है। इसका उपयोग करने से गुर्दे, हृदय, आदि अंग कमजोर हो जाते हैं। इससे सादा पानी भी पचता नहीं है और शरीर में दूषित पानी जमा होने लगता है, जिससे पेट फूलने की शिकायत होती है। इस रोग से ग्रसित व्यक्ति के हाथ पैर फूल जाते हैं।

एलर्जी की समस्या

अगर आप अपने खाने में अधिक मात्रा में सरसों के दाने या तेल का सेवन करते हैं, तो एलर्जी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि सरसों से होने वाली एलर्जी सबसे गंभीर एलर्जी में से एक है। दरअसल, इसके सेवन से हिस्टामाइन में वृद्धि के साथ एनाफिलेक्टिक शॉक भी हो सकता है। पित्ती और त्वचा पर दाने, सांस फूलना, चक्कर आना, उल्टी, गले, चेहरे और आंखों में सूजन इसके मुख्य लक्षण हैं।

दिल के रोग का खतरा

आज भी कई घरों में सरसों के तेल में खाना बनाया जाता है। लेकिन सच मानिए तो हर दिन इसका इस्तेमाल दिल की सेहत के लिए अच्छा नहीं है। क्योंकि इसमें इरूसिक एसिड बहुत ज्यादा होता है, जो दिल के लिए खतरा पैदा करता है। सरसों के अधिक उपयोग से मायोकार्डियल फिलिब्रोसिस की समस्या हो सकती है। जिसमें ट्राइग्लिसराइड के बनने के कारण हृदय की मांसपेशियों के मायोकार्डियल फाइबर में फाइब्रोटिक घाव विकसित होते हैं। जो हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाने के साथ हार्ट फेलियर के लिए भी जिम्मेदार होते हैं।

गर्मी में रखें अपनी आंखों को सुरक्षित

पूरे भारत में गर्मी का हाल बेहाल है। बढ़ती गर्मी के कारण व्यक्ति कई प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहा है। इनमें मुख्य है त्वचा सम्बन्धी रोग और दूसरा है नेत्र सम्बन्धी रोग। दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है और भीषण गर्मी असहनीय होती जा रही है। ऐसे में लोग गर्मी से अपना बचाव करते हैं। हम अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक कपड़े और सनस्क्रीन से ढक सकते हैं, लेकिन हमारी आंखों को हम सुरक्षित नहीं कर पाते। गर्मी की वजह से शरीर से ज्यादा तकलीफ हमारी आँखों को होती है। आंखें न केवल हानिकारक यूवी किरणों के सम्पर्क में आती हैं बल्कि गन्दगी, प्रदूषण से भी प्रभावित होती हैं। हम कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिनका उपयोग करके वे अपनी आँखों को इस भीषण गर्मी में संक्रमित होने से बचा सकते हैं।

धूप का चश्मा

जिस तरह आप अपने शरीर को कपड़ों से ढकते हैं, दस्ताने से लेकर टोपी तक, उसी तरह आपकी आंखों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। अपने घर से बाहर निकलते समय, यूवी किरणों को सीधे अपनी आंखों में प्रवेश करने से रोकने के लिए आपको सन ग्लास अर्थात धूप का चश्मा अपनी आँखों पर लगाना चाहिए।

कम से कम 8 घंटे सोएँ

गर्मी के दिनों में प्रयास करके अपनी आंखों को पूरा आराम दें। इसके लिए जरूरी है कि आप कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। आठ घंटे की नींद लेने न केवल आपकी आँखें पूरी तरह से सुरक्षित रहती हैं अपितु यह आपके शरीर को भी पूरा आराम प्रदान करता है। साथ ही आपके इम्यूनिटी पावर को भी बरकरार रखता है।

ठंडे पानी से बार बार आंखें धोएं

अपनी आंखों को ठंडा रखने के लिए उन्हें ठंडे पानी से बार-बार धोने की कोशिश करें। ठंडा पानी आंखों से गर्मी को दूर करने में मदद करता है और उन्हें बेहतर महसूस कराता है। अपनी आंखों को लुब्रिकेट करें हमारी आंखें नमी खो देती हैं और सूखी और खुजलीदार हो जाती हैं। ऐसे में ढेर सारा पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखना चाहिए। जो लोग ऑफिस में लगातार कम्प्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं उन्हें अपनी आँखों को लेकर संजीदगी बरतनी चाहिए। उन्हें कम्प्यूटर पर काम शुरू करने से पहले अपनी आँखों को आई ड्रॉप्स से धोना चाहिए। आठ से दस घंटे लगातार कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों को ऐसा कम से कम 3 बार करना चाहिए। आँखों में आई ड्रॉप्स डालने से आँखों की चिकनाई बरकरार रहती है।

आंखों पर सनस्क्रीन का प्रयोग करने से बचें

अधिकांश युवा अपने चेहरे को सन स्क्रीन से बचाने के लिए क्रीम का प्रयोग करते हैं। इस क्रीम को लगाते वक्त वे उसको पलकों और भौंह पर भी लगा देते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह गलत है। आपको अपनी पलकों या आँखों पर सनस्क्रीन लगाने से बचाव करना चाहिए, क्योंकि इससे ये लाल और खुजलीदार हो सकते हैं।

प्रकाश झा की सीरीज संकल्प से डेब्यू करेंगी रूप दुर्गापाल

'स्वरागिनी,' 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी,' और 'बालवीर' जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'संकल्प' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी।'

अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, 'जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, 'साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था।' सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। रूप ने निर्देशक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'प्रकाश सर के साथ काम करना किसी बड़े संस्थान में पढ़ाई करने जैसा था। साथ ही काम में मजा भी आता था और यादगार पल भी बनते थे।'

मधुबाला की बायोपिक में अनीत पड्डा नहीं निभाएंगी प्रमुख भूमिका

लेजेंडरी एक्ट्रेस मधुबाला की बायोपिक को लेकर इन दिनों लगातार चर्चाएं चल रही हैं। पहले ऐसी खबरें आईं कि कियारा आडवाणी इस फिल्म में प्रमुख भूमिका निभाएंगी। लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद अब अनीत पड्डा के मधुबाला के किरदार को पर्दे पर उतारने की चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि, अब अनीत पड्डा के फिल्म में होने की खबरों पर इंडस्ट्री से बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

अनीत पड्डा के मधुबाला का किरदार निभाने की खबरें गलत

कुछ दिन पहले कियारा आडवाणी के मधुबाला के किरदार में होने की इस अफवाह का खंडन किया था। अब एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 'सैयारा' स्टार अनीत पड्डा को मधुबाला की बायोपिक के लिए साइन कर लिया गया है और जल्द ही शूटिंग शुरू होगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मेकर्स जल्द ही कास्टिंग की घोषणा कर सकते हैं। लेकिन अब इंडस्ट्री सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। एक सोर्स ने साफ किया कि अनीत पड्डा का नाम मधुबाला की बायोपिक से जोड़ना एकदम गलत है। सोर्स ने कहा, 'अनीत पड्डा को लेकर जो भी खबरें उड़ रही हैं, उनमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।'

भारतीय सिनेमा का नाम हैं मधुबाला

मधुबाला इंडियन सिनेमा का एक बहुत बड़ा नाम हैं, इसलिए इन अफवाहों ने फिल्म प्रेमियों के बीच काफी हलचल मचा दी थी। पर सोर्स ने फिर से जोर देकर कहा कि अनीत पड्डा के प्रोजेक्ट से जुड़ने की बात सिर्फ एक अफवाह है और फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन 'डार्लिंग्स' फेम जसमीत के. रीन कर रहे हैं। यह भी कहा जा रहा था कि फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहे हैं।

'फोर्स 3' में नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

2011 और 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'फोर्स' और 'फोर्स 2' के बाद अब इसका तीसरी सीक्वल आने वाला है। इस फिल्म में इस बार हर्षवर्धन राणे भी अहम रोल निभाएंगे। हर्षवर्धन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 'फोर्स 3' के मुहूर्त पूजा का एक खास वीडियो शेयर कर फिल्म की जानकारी दी है। हर्षवर्धन राणे ने मुहूर्त पूजा का एक वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो 'फोर्स 3' के सेट का है, जिसमें हर्षवर्धन राणे पूजा करते नजर आ रहे हैं।

'फोर्स 3' के बारे में

'फोर्स 3' के निर्माता जॉन अब्राहम हैं। इस फिल्म के निर्देशक भाव धूलिया हैं, जिन्होंने 'द फ्रीलांसर' का निर्देशन किया है। इस फिल्म के लेखक सीमाब हाशमी हैं। फिल्म के सेट पर पूजा के बाद इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी।

'फोर्स' सीरीज

पहली 'फोर्स' 2011 में रिलीज हुई थी। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। इसमें जॉन अब्राहम ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनय देव द्वारा निर्देशित दूसरी फिल्म 'फोर्स 2' 18 नवंबर 2016 को रिलीज हुई थी। कथित तौर पर 'फोर्स 3' 2027 में रिलीज हो सकती है।

कल्कि 2898 एडी से भारत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेता बने कमल हासन

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' (2024) के सीक्वल में कमल हासन की भूमिका और भी बड़ी होने वाली है। इसी बीच फिल्ममेकर-एक्टर युगी सेतु ने हाल ही में एक इंटरव्यू में उनकी फीस को लेकर बड़ा दावा किया है।

भारत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर

युगी सेतु के मुताबिक, फिल्म के पहले पार्ट के लिए कमल हासन को एक दिन के शूट के लिए 1 मिलियन डॉलर दिए गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि इतनी बड़ी रकम की वजह से कमल हासन भारत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेता बन गए हैं। हालांकि, बाद में युगी ने बताया कि जब उनकी मुलाकात फिल्म के प्रोड्यूसर अश्विनी दत्त से हुई, तो उन्हें असली फीस का पता चला।

युगी सेतु ने इंडियाग्लिट्ज़ से बातचीत में कहा, 'कमल सर का स्टेटस ही ऐसा है। उन्हें 'कल्कि 2898 एडी' के लिए 20 दिनों की कॉल शीट के बदले 150 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। उनके जन्मदिन पर मैंने उनसे कहा था कि वह भारत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं और उन्हें एक दिन के लिए 1 मिलियन डॉलर मिल रहे हैं, क्योंकि 20 दिनों के लिए उन्हें 150 करोड़ रुपये दिए गए।'

एक दिन के लिए करीब 2 मिलियन डॉलर

उन्होंने आगे बताया कि कमल हासन ने उन्हें फिल्म के प्रोड्यूसर अश्विनी दत्त से मिलवाया। युगी ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि हमारे दोस्त को भारत का सबसे ज्यादा फीस लेने वाला एक्टर बनाने के लिए धन्यवाद। जब मैंने कहा कि 20 दिनों के लिए 150 करोड़ रुपये, तो उन्होंने जवाब दिया- 'नहीं सर, उन्होंने सिर्फ 10 दिन शूट किया है।' तब मुझे अपनी बात सुधारनी पड़ी, यानि एक दिन के लिए करीब 2 मिलियन डॉलर।'

युगी के इस दावे से पहले कई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि कमल हासन को 'कल्कि 2898 एडी' में उनके रोल के लिए 100 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा फीस मिली थी। फिल्म 'कल्कि 2' के बारे में फिल्म में कमल हासन ने 'सुप्रीम यास्किन' नाम के एक गॉड-किंग का किरदार निभाया है, जो कॉम्प्लेक्स पर राज करता है। फिल्म के आखिरी में यह हिंट भी दिया गया था कि सीक्वल में कमल हासन का स्क्रीन टाइम और ज्यादा होगा। फिल्म 'कल्कि 2' फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के

'द 50' से बाहर होने के बाद निक्की तंबोली ने की क्रिप्टिक पोस्ट

निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी 'द 50' से बाहर हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हालिया पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने 'द 50' के कुछ प्रतियोगियों पर निशाना साधा है। जानिए, अपनी पोस्ट में निक्की तंबोली ने क्या कहा? और कौन से प्रतियोगी पर वह निशाना साधा रही हैं। निकी तंबोली ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, 'मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कोलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो। शायद ज्यादा काम आ जाए।' वह आगे लिखती हैं, 'गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे।'

निक्की के निशाने पर कौन था?

निक्की तंबोली ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि वह टीवी एक्टर प्रिंस नरुला और टीवी पर्सनालिटी शिव ठाकरे पर निशाना साध रही हैं। यह दोनों इस वक्त 'द 50' शो का हिस्सा हैं। जब निक्की और उनका बॉयफ्रेंड शो में थे तो शिव ठाकरे और प्रिंस नरुला से कई बार झगड़ा हुआ।

कौन बनेगा शो का विनर?

'द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिंस नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। 'द 50' शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

यूनिवर्सिटी में टॉप किया, लेकिन बनना एक्टर था बेटे के जन्म के बाद से सब अच्छा हो रहा

बनारस से बॉलिवुड में किस्मत आजमाने पहुंचे ऐक्टर विनीत कुमार सिंह को एक लंबा संघर्ष देखना पड़ा, लेकिन अब आखिरकार उनकी प्रतिभा की कद्र होने लगी है। बीते साल उन्हें छावा, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और जैसी फिल्मों और वेब सीरीज रंगीन में उम्दा अदाकारी के लिए खूब सराहा गया। वहीं, इस साल की शुरुआत में भी वह वेब सीरीज हैलो बच्चों में चर्चित फिजिक्स टीचर अलख पांडे की लीड भूमिका में नजर आने वाले हैं। विनीत इस अच्छे वक्त का श्रेय अपने सात महीने के बेटे को भी देते हैं।

पिछले साल पिता बनने के सुख का अनुभव करने वाले विनीत कहते हैं, 'मेरे बेटे का जन्म 24 जुलाई को हुआ और 25 जुलाई को मेरा शो (रंगीन) रिलीज हुआ तो कमाल ही है। पिछले साल मेरी 8 फिल्में/सीरीज रिलीज थीं तो मैंने सुना था कि बच्चे भाग्य लेकर आते हैं, अब खुद अनुभव कर रहा हूं। प्रभु करें ऐसा ही चलता रहे। बाकी, अच्छा लगता है। हालांकि, हाल ही में मुझे शॉक लगा, क्योंकि मैं राजस्थान में शूट कर रहा था। जब गया था तो दाढ़ी थी, आया तो दाढ़ी नहीं है और वह मेरी गोद में ही नहीं आ रहा था। तब मैंने अपनी आवाज से उसे खुद को पहचनवाने की कोशिश की।'

पैदा होते ही शिक्षा का साथ हो गया था

विनीत की सीरीज 'हैलो बच्चों' शिक्षा पर आधारित है। खुद ग्रेजुएशन टॉपर और डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले विनीत ने शिक्षा की अहमियत कब समझी? इस पर वह हंसते हुए कहते हैं, 'जब धरती पर आया, तभी समझ गया था, क्योंकि जब मेरे पिता जी ने मुझे अपनी गोद में लिया तो मैं एक गणितज्ञ की गोद में था।' वह आगे कहते हैं, 'मैंने बेशक यूनिवर्सिटी में टॉप किया था पर मुझे बनना हमेशा से ऐक्टर था।'

डॉक्टर सुनकर लोग सोचते लड़का भटक गया है

एक वक्त था, जब विनीत कुमार सिंह का डॉक्टर होना ऐक्टिंग की राह में रोड़ा भी बना। इंडस्ट्री वालों को लगता था ये पढ़ा-लिखा आदमी कहां ऐक्टिंग में आ रहा है। इसलिए वह अपनी डॉक्टरी की बात छिपाने भी लगे थे। इस बारे में वह बताते हैं, 'असल में जब मैं इस शहर में आया था, तब किसी को जानता नहीं था। एक भी इंसान ऐसा नहीं था, जो फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहा हो, जिसे मैं जानता था। मेरे सारे दोस्त डॉक्टर, इंजीनियर या खिलाड़ी थे तो जब कोई पूछता था कि क्या किया है और मैं उन्हें बताता था कि मेडिकल कॉलेज में हूं, पढ़ रहा हूं, तो उन्हें हैरत होती कि डॉक्टर हो?

टीचर के ऊपर दो सीरीज बनीं

मशहूर फिजिक्स टीचर अलख पांडे और उनकी कोचिंग फिजिक्स वाला पर पहले भी एक सीरीज बन चुकी है। ऐसे में, उस पर दूसरी सीरीज को लेकर विनीत का कहना है, 'यह बड़ी अच्छी बात है कि एक टीचर के ऊपर दो तरीके से हम कुछ बना रहे हैं और उसे लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इसके लिए, मेकर्स को सराहना चाहिए, क्योंकि हमने बहुत सारी लव स्टोरी देखी हैं। अंडरवर्ल्ड की कहानियां देखी हैं। बहुत सारे कॉप की कहानियां देखी हैं लेकिन टीचर जो राष्ट्र का भविष्य तय करता है, जो बुनियाद बनाता है, उस पर कितनी कहानियां बनती हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एक टीचर के ऊपर दो कहानियां बनी हैं।'

ओटीटी ने सभी को खूब काम दिया

विनीत बड़े पर्दे और ओटीटी पर समान रूप से सक्रिय हैं। क्या उन्हें लगता है कि ओटीटी की लोकप्रियता से थिएटर में दर्शकों की संख्या घटी है? इस पर उन्होंने कहा, 'देखिए, ऊपर नीचे होता रहता है। वो कहते हैं ना, 'उत्थान पतन के झूले पर संसार झूलाया जाता है।' ग्राफ तभी बनता है और उसी से हम सीखते हैं। कुछ नया अडाप्ट करते हैं, नया खोजते हैं, यही जिंदगी है। बेशक मैंने पहली बार फिल्म बड़े पर्दे पर देखी थी। उसका अपना एक इश्क है और वो रहेगा, पर ओटीटी की बात करूं तो फिल्म इंडस्ट्री के मेरे बहुत सारे दोस्त, जिसमें ऐक्टर, डायरेक्टर, डीओपी, राइटर हर विभाग के टेक्निशियन हैं, जो अच्छे थे, मगर पहले कई महीने खाली रहते थे, आज ओटीटी की वजह से सब इतने व्यस्त हैं कि उनके पास डेट नहीं है और यह सुनकर बहुत अच्छा लगता है। ओटीटी पर किसी का भी काम हो, सब तक पहुंचता है। यहां बहुत सारे प्रयोग हो रहे हैं। हम अलग-अलग तरह की कहानियां कह पा रहे हैं, जो बहुत अच्छी बात है।'

लालपुर स्टॉप डेम : सूखा व बदबूदार पानी में कीड़े, जल संकट पर कांग्रेस का हमला

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शहर में बढ़ती पानी की किल्लत के बीच लालपुर स्टॉप डेम की बदहाल स्थिति को लेकर शहर कांग्रेस कमेटी ने रविवार को स्थल निरीक्षण कर नगर पालिका प्रशासन को घेरा। निरीक्षण के दौरान डेम में पानी की भारी कमी बदबूदार पानी और कीड़ों से भरी स्थिति सामने आने पर कांग्रेस नेताओं ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए तत्काल सुधार की मांग की है।

विधानसभा की विधायक यशोदा नीलाम्बर वर्मा के निर्देश पर शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अरुण भारद्वाज के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं की टीम ने लालपुर स्टॉप डेम का निरीक्षण किया। इस दौरान नगरपालिका पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष दीपक देवांगन भी मौजूद रहे। निरीक्षण में पाया गया करीब दो करोड़ रुपये की लागत से बने एनीकट में पानी लगभग समाप्त हो चुका है। डेम में केवल थोड़ा बहुत पानी बचा है, जो न तो नहाने योग्य है और न ही किसी उपयोग के लायक, पानी से तेज बदबू आ रही है उसमें कीड़े पड़ चुके हैं जिससे आसपास का क्षेत्र भी बदबू से प्रभावित हो रहा है। डेम के आसपास शराब की बोतलें और पानी के पाउच बड़ी संख्या में पड़े हुए मिले जिससे गंदगी और बढ़ गई है।

बताया गया कि इसी जल स्रोत से शहर के कुछ वार्डों में पानी की आपूर्ति की जाती रही है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरुण भारद्वाज ने बताया कि इस एनीकट को बनाते समय 12 महीने आधा एमसीएम पानी

बनाए रखने का लक्ष्य रखा गया था। बाद में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से इसकी ऊंचाई भी बढ़ाई गई लेकिन वह भी कथित तौर पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। उस समय कांग्रेस ने विरोध किया था, जिसके बाद सड़क की मरम्मत कराई गई थी। लेकिन डेम की स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अरुण भारद्वाज ने कहा कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र के लोगों की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद निरीक्षण किया गया। अधिकारियों से चर्चा करने पर बताया गया, कि पर्याप्त पानी नहीं होने के कारण फिलहाल आपूर्ति बंद है। उन्होंने कहा कि जिस जल स्रोत पर शहर के वार्ड निर्भर हैं, उसकी यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। अरुण भारद्वाज ने नगरपालिका के सीएमओ को सूचना देकर पांच दिन का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस अवधि में स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो शहर कांग्रेस कमेटी आंदोलन करेगी।

वहीं पार्षद व नेता प्रतिपक्ष दीपक देवांगन ने कहा कि इस मुद्दे को कई बार नगरपालिका की बैठकों में उठाया गया लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।। उन्होंने कहा कि गर्मी की शुरुआत में ही शहरवासियों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है, जो नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शहर का गंदा पानी नालियों के माध्यम से नदी में जा रहा है और करोड़ों रुपये की लागत से बना वाटर प्लांट भी बंद पड़ा है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। अरुण भारद्वाज ने आरोप लगाया कि नगर पालिका मे अधिकारी-कर्मचारी जनहित की समस्याओं के समाधान के बजाय केवल औपचारिकता निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका नेतृत्व को शहर की मूलभूत सुविधाओं को लेकर ठोस कदम उठाने चाहिए। निरीक्षण के दौरान पुराना सारथी, सूयर्कांत यादव, शेखर दास वैष्णव, महेश यादव, हरि दर्शन, नरेश सिन्हा, विनोद सिन्हा, भूपेंद्र वर्मा, रतन सिंघी सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

खास खबर

मासूम की गर्दन पर चाकू, चार घरों के ताले तोड़कर गहने और बाइक ले उड़े बदमाश

राजनांदगांव। शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर उस वक्त गंभीर सवाल खड़े हो गए जब पुलिस अधिकारियों के आवास के पास स्थित जीवन कॉलोनी में देर रात हथियारबंद बदमाशों ने सनसनीखेज लूट और चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। नकाबपोश बदमाशों ने न केवल चार घरों के ताले तोड़े, बल्कि एक घर में घुसकर मासूम बच्ची की गर्दन पर चाकू टिकाकर परिवार को धमकाया और घर में रखे गहने, नकदी तथा बाइक लेकर फरार हो गए।

इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है और पुलिस की रात्रि गश्त पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार देर रात करीब ढाई बजे पांच नकाबपोश बदमाश कॉलोनी में दाखिल हुए। उनके हाथों में चाकू और पत्थर थे। बदमाशों ने पहले सूने मकानों के ताले तोड़े और घरों का सामान खंगाल दिया। इसी दौरान एक घर में परिवार मौजूद था। बदमाशों ने परिवार को डराने के लिए बच्ची की गर्दन पर चाकू रख दिया, जिससे घर के लोग सहम गए और लुटेरे आराम से अलमारी से गहने व कीमती सामान निकालकर ले गए।

कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में बदमाशों की गतिविधियां कैद हो गई हैं। फुटेज में बदमाश कॉलोनी में घूमते और वारदात करते दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद अब तक आरोपियों का सुराग नहीं लगना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब एसपी बंगले के पीछे ही अपराधी इतनी बेखौफ वारदात कर सकते हैं, तो शहर के अन्य इलाकों की सुरक्षा का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। लोगों ने आरोप लगाया कि रात में गश्त कमजोर होने के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

गौठान और महिला समूह क्रियाकलाप स्थल में शराब दुकान दुर्भाग्यपूर्ण – कांग्रेस

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने नगर पंचायत घुमका में शराब दुकान के लिए पवित्र गौठान स्थल के साथ महिला स्व सहायता समूह के विकास के लिए बनाए गए कमरों को शराब दुकान के लिए कब्जा कर मुर्मीकरण कराए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए इसे भाजपा सरकार की गौठान और महिला के प्रति असम्मान एवं क्रूरता का प्रमाण बताया है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश दुबे ने कहा कि जिले का आबकारी विभाग अवैध कार्यो का अड्डा है क्योंकि यहां अवैध भवनों में बिना भाड़ा नियंत्रण से किराए फिक्स कराये दुकान चलवाना, सरकारी दुकानों में अपात्र लोगों को नियुक्त करा ओवर रेट के साथ प्रतिबंधित शराब बिकवाने के प्रमाणित अपराध कर रहे है जो गंभीर आर्थिक अनियमितता के साथ आपराधिक कृत्य है। स्वतंत्रता सेनानी के जन्मभूमि घुमका को गौरव ग्राम घोषित करने के बाद डा रमन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने वहां के शराब दुकान को बंद कराया था लेकिन भाजपा सरकार आते ही यहां शराब दुकान की साजिश रच दिया गया और नगर पंचायत घोषित कर वहां चुनाव ना कराकर शराब दुकान के लिए एन ओ सी का नीतिगत, विधिवत निर्णय ना लेना पड़े और शराब दुकान खुल जाए क्योंकि नगर पंचायत में सामान्य सभा से प्रस्ताव पारित होने पर ही दुकान खुल सकती है अन्यथा नहीं वहीं घुमका में विकास नहीं बल्कि जनता को संपत्ति, समेकित, जल व अन्य टैक्स की मार भाजपा सरकार दे दी है ऐसी दशा में सरकार को पहले घुमका को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना चाहिए गोठान की सुरक्षित जगह के साथ महिला स्व सहायता समूह के विकास क्रियाकलाप के स्थल को शराब दुकान के लिए कब्जा छ ग सरकार की गौधाम योजना के आडंबर के साथ नारी शक्ति का अपमान एवं महिला विकास में बाधा का प्रमाण है।

माशिमं ने पेपर लीक मामले में दर्ज कराई एफआईआर

रायपुर। बारहवीं के हिंदी विषय का पेपर लीक के कथित आरोप की जाँच के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने पुलिस और साइबर सेल में दर्ज कराई एफ आई आर। अब मामले में जांच शुरु होगी। सूत्रों के अनुसार जांच से बड़े रैकेट का खुलासा होने की संभावना बताई जा रही है। पेपर लीक होने से पूरे प्रदेश में माशिमं की बहुत किरकिरी हुई थी।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार–सीएम साय

छग को मिली डीएम काडियोलॉजिस्ट की 2 सीट, लोगों को मिलेगा बेहतर इलाज का लाभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में चिकित्सक संगठन एवं मेडिकल छात्राओं ने सौजन्य मुलाकात की और प्रदेश को डीएम काडियोलॉजिस्ट की 2 सीट मिलने पर उनका आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी सरकार लगातार प्राथमिकता के साथ बेहतर कार्य कर रही है, ताकि प्रदेशवासियों को सहज और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एक समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज हुआ करता था, जिसमें लगभग 100 से 150 सीटें थीं। आज प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 14 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं, जिनमें लगभग 1400 सीटें उपलब्ध हैं। इसके साथ ही फिजियोथेरेपी, नर्सिंग सहित अन्य उच्च शैक्षणिक संस्थान भी स्थापित हुए हैं, जिनका लाभ प्रदेश के विद्यार्थियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में मेडिको सिटी की स्थापना की जा रही है, जहां बड़े-बड़े सुपरस्पेशलिटी अस्पताल स्थापित किए जाएंगे, जिससे प्रदेश के लोगों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

श्री साय ने छत्तीसगढ़ को डीएम काडियोलॉजिस्ट की 2 सीट प्रदान किए जाने पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के प्रति भी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर तुलसी कौशिक, डॉ. देवेंद्र कश्यप सहित जूडो और मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दिवंगत–आरक्षक के परिवार को मिली 1 करोड़ की सहायता राशि

नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर

ड्यूटी जाने के दौरान सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए सूरजपुर जिले के आरक्षक मसत राम पैंकरा के परिजनों को पुलिस सैलरी पैकेज योजना के तहत 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर व एसबीआई रिजनल मैनेजर अविनाश पाणिग्रही दिवंगत आरक्षक के ग्रहग्राम चकेरी (शर्मा) थाना उदयपुर, जिला सरगुजा जाकर आरक्षक की धर्मपत्नी कुसुम सिंह को यह राशि चेक के माध्यम से सौंपी।

आरक्षक मसत राम पैंकरा जिला सूरजपुर में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे और डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर के गनमैन थे। उनका आकस्मिक निधन 17 सितम्बर 2025 को ड्यूटी जाने दौरान एक सड़क दुर्घटना में हो गया था। इस घटना पर पुलिस विभाग ने गहरा शोक व्यक्त किया था। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने बैंक अधिकारियों के साथ 13 मार्च 2026 को आरक्षक की धर्मपत्नी कुसुम सिंह व परिजनों को सांत्वना देते हुए भारतीय स्टेट बैंक शाखा से 1 करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया। यह सहायता पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत दी गई है।

दिवंगत आरक्षक की धर्मपत्नी व परिजनों ने आर्थिक सहायता प्राप्त होने पर छत्तीसगढ़ शासन, पुलिस प्रशासन और बैंक प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। विदित हो कि आरक्षक की आकस्मिक मृत्यु उपरान्त उनके बड़े पुत्र गणेश प्रसाद को अनुकम्पा नियुक्ति नव आरक्षक के पद पर हुई है। पुलिस सैलरी पैकेज योजना का मुख्य उद्देश्य ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी व कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके आश्रित परिवार को आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। इस अवसर पर डिप्टी मैनेजर प्रेमशंकर सिंह, दिवगंत आरक्षक के पिता बीर सिंह सहित उनके परिजन मौजूद रहे।

सिंधी समाज का इतिहास पुरुषार्थ, साहस व आत्मसम्मान का प्रतीक : सीएम साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई मैदान में छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत द्वारा आयोजित चन्ड्र जी रात, सिंधिन जो मेलो – आनंद मेलो में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सिंधी समाज का इतिहास पुरुषार्थ और साहस का इतिहास है। विभाजन की विभीषिका की पीड़ा सबसे अधिक सिंधी समाज ने झेली। उस कठिन समय में आपके पूवर्जो ने अपनी संपत्ति छोड़ी, अपना घर छोड़ा, लेकिन अपना आत्मसम्मान और परिश्रम करने का स्वभाव कभी नहीं छोड़ा। शून्य से शिखर तक कैसे पहुँचा जाता है, यह सिंधी समाज ने आज पूरी दुनिया को सिखाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की तरक्की में सिंधी समाज की प्रमुख भूमिका रही है। चाहे वह चेंबर ऑफ कॉमर्स हो या प्रदेश का छोटा-बड़ा व्यापार, आपकी मेहनत से राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। आप केवल व्यापार ही नहीं करते, बल्कि हजारों लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराते हैं। भविष्य में हमने विकसित छत्तीसगढ़ 2047 का जो सपना देखा है, उसमें सिंधी समाज का

महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने लगभग ढाई वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत किए गए अधिकांश वादों को पूरा कर लिया है और लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बीटीआई ग्राउंड में जो उत्साह दिखाई दे रहा है, वह बताता है कि सिंधी समाज अपनी जड़ों से कितना गहराई से जुड़ा हुआ है। सिंधियत जो मेलो जैसे आयोजन हमारी नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, खान-पान और सिंधी भाषा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही उन्हें पवित्र शदाणी दरबार में संतों का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वहाँ जो स्नेह और आत्मीयता उन्हें मिली, वही अपनापन आज यहाँ भी महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज की यही एकजुटता उसकी सबसे बड़ी ताकत है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी प्रदेशवासियों को चेट्रीचंड्र पर्व की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मुख्य मंच से सिंधु दर्शन यात्रा का भी विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत को इस शानदार आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, धमतरी महापौर रामू रोहरा, छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत अध्यक्ष अमर गिदवानी, श्रीचंद सुंदरानी सहित सिंधी समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नक्शा घोटाला का महाविस्फोट : 60 फ्लैट की अनुमति, 90 फ्लैट का नक्शा पास

फर्जी आकिर्टेक्ट के नाम पर सैकड़ों मंजूरियों से उजागर हुआ शहरी विकास का काला खेल

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में शहरी विकास की आड़ में चल रहे एक बड़े और संगठित भ्रष्टाचार का ऐसा मामला सामने आया है, जिसने नगर पालिक निगम और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दस्तावेजों और स्वीकृतियों की परतें खुलने के साथ ही यह मामला केवल एक प्रोजेक्ट की अनियमितता तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि पूरे शहरी नियोजन तंत्र की विश्वसनीयता को कठघरे में खड़ा कर रहा है।

मामला अज्ञया नगर क्षेत्र में प्रस्तावित मेसर्स अनंत रियाल्टी नामक प्रोजेक्ट से जुड़ा है। आरोप है कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से बिल्डर नमन गोयल ने विभागीय अधिकारियों की कथित मिलीभगत से मास्टर प्लान और निर्माण नियमों को दरकिनार करते हुए शासन को गुमराह किया। दस्तावेजों में सामने आई विसंगतियों के अनुसार इस प्रोजेक्ट के लिए प्रस्तुत एरिया स्टेटमेंट में चार मंजिलों पर केवल 60 फ्लैट बनाने का उल्लेख किया गया था। लेकिन जब विभाग ने उसी प्रोजेक्ट का नक्शा स्वीकृत किया तो उसमें फ्लैटों की संख्या बढ़कर 90 और मंजिलों की संख्या छह दर्शाई गई।

निर्माण नियमों और स्वीकृति प्रक्रियाओं को समझने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि एरिया स्टेटमेंट और स्वीकृत नक्शे के बीच इतना बड़ा

अंतर सामान्य प्रशासनिक चूक नहीं हो सकता। यह विसंगति इतनी स्पष्ट है कि किसी भी अधिकारी की नजर से छिपना लगभग असंभव है। इसके बावजूद इस तरह का नक्शा पास हो जाना पूरे अनुमोदन तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

इस पूरे मामले का दूसरा चौंकाने वाला पहलू उस आकिर्टेक्ट या इंजीनियर का नाम है जिसके माध्यम से यह नक्शा तैयार किया गया। दस्तावेजों में विकास सिंह नाम दर्ज है। लेकिन बिलासपुर शहर में इस नाम का कोई पंजीकृत आकिर्टेक्ट या इंजीनियर उपलब्ध ही नहीं है। नगर निगम के रिकॉर्ड और पेशेवर संस्थाओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस नाम का कोई भी व्यक्ति आधिकारिक रूप से वास्तुकार या इंजीनियर के रूप में पंजीकृत नहीं है।

यह तथ्य भी सामने आया कि इसी नाम का उपयोग पहले भी कई निर्माण परियोजनाओं के

फर्जी नक्शे स्वीकृत कराने के लिए किया गया था। बाद में जब इस पर संदेह गहराया तो नगर निगम ने इस नाम से जुड़े लाइसेंस को निलंबित कर दिया था। इसके बावजूद उसी पहचान के आधार पर एक बड़े प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल जाना इस पूरे तंत्र की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

मामले की परतें यहीं समाप्त नहीं होतीं। शहर में हाल ही में अवैध निर्माण के खिलाफ हुई एक कार्रवाई ने इस कथित नेटवर्क की झलक और स्पष्ट कर दी। 13 मई को नगर निगम ने पुराने बस स्टैंड के पास स्थित महुआ होटल पर अवैध निर्माण को लेकर बुलडोजर चलाया था। जब इस होटल के निर्माण से संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई तो पाया गया कि इसका नक्शा भी विकास सिंह के नाम से स्वीकृत किया गया था।

जांच में सामने आया कि होटल निर्माण के दौरान स्वीकृत नक्शे की कई शर्तों का उल्लंघन किया गया था। ओपन स्पेस और पार्किंग जैसे अनिवार्य प्रावधानों को भी नजरअंदाज कर निर्माण कर लिया गया था। इसके बाद नगर निगम ने 24 जुलाई 2025 को विकास सिंह नाम से जुड़े लाइसेंस को ब्लैकलिस्ट कर दिया। जब इस मामले में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आकिर्टेक्ट्स से जानकारी मांगी गई तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके रिकॉर्ड में इस नाम का कोई पंजीकृत आकिर्टेक्ट मौजूद नहीं है।

इस खुलासे के बाद जब विभागीय फाइलों की व्यापक जांच शुरू हुई तो एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। पता चला कि शहर में विकास सिंह नामक इसी कथित आकिर्टेक्ट के माध्यम से 400 से अधिक भवन फर्जी नक्शे और 150 से ज्यादा लेआउट स्वीकृत किए जा चुके हैं। यानी एक ऐसी पहचान, जिसका वास्तविक अस्तित्व ही संदिग्ध है, उसके नाम पर वर्षों तक निर्माण स्वीकृतियां जारी होती रहीं।

इस मामले में एक और गंभीर पहलू आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित आवास से जुड़ा है। नियमों के अनुसार बड़े आवासीय प्रोजेक्ट में एहर वर्ग के लिए फ्लैट आरक्षित करना अनिवार्य होता है। संबंधित प्रोजेक्ट के लिए बिल्डर ने विभाग को एक शपथपत्र दिया था जिसमें दावा किया गया कि ग्राम तिफरा के खसरा नंबर 407/7 पर एहर फ्लैट बनाए जाएंगे।

लेकिन जब राजस्व अभिलेखों की जांच की गई तो पता चला कि जिस जमीन पर गरीबों के लिए आवास निर्माण का दावा किया गया है वह जमीन बिल्डर के नाम पर दर्ज ही नहीं है। यानी गरीबों के लिए आवास की व्यवस्था के नाम पर विभाग को कथित रूप से झूठा शपथपत्र देकर विकास अनुज्ञा प्राप्त की गई। शहरी विकास से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह तथ्य सही पाया जाता है तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि शासन को गुमराह करने का गंभीर मामला बन सकता है। क्योंकि एहर आवास से जुड़े नियमों का उद्देश्य शहरी विकास योजनाओं में गरीब वर्ग को भी आवास उपलब्ध कराना होता है।

जांच के दौरान एक और तथ्य सामने आया जिसने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया। बताया जाता है कि कुछ मामलों में एक ही दिन में 29 लेआउट फाइलों को मंजूरी दी गई। शहरी नियोजन की प्रक्रियाओं को जानने वाले अधिकारियों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में लेआउट स्वीकृत करना सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत लगभग असंभव है।

इससे यह आशंका और गहरा जाती है कि कहीं यह पूरा तंत्र एक संगठित नेटवर्क के रूप में तो काम नहीं कर रहा था, जिसमें फाइलों को तेजी से मंजूरी दिलाने के लिए अंदरूनी स्तर पर समन्वय किया जाता था।

यदि इस पूरे मामले के आर्थिक पहलू पर नजर डालें तो इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। नगर निगम के आकलन के अनुसार एक एकड़ जमीन के रिहायशी लेआउट को स्वीकृति दिलाने में लगभग 75 हजार से 2.5 लाख रुपये तक का खर्च आता है। वहीं एक सामान्य मकान के नक्शे के लिए 8 हजार से 20 हजार रुपये तक शुल्क लिया जाता है। ऐसे में यदि शहर में 400 से अधिक नक्शे और 150 से ज्यादा लेआउट स्वीकृत किए गए हैं तो यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि इस पूरे खेल में कितनी बड़ी आर्थिक गतिविधि हुई होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह राशि करोड़ों रुपये तक पहुंच सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम ने बिलासपुर के शहरी विकास तंत्र की विश्वसनीयता को गंभीर चुनौती दी है। नागरिकों और सामाजिक संगठनों के बीच भी इस मामले को लेकर चिंता बढ़ रही है कि यदि निर्माण स्वीकृति की प्रक्रिया में इतनी बड़ी अनियमितताएं संभव हैं तो शहर में बनने वाली इमारतों की सुरक्षा और वैधानिकता पर भी प्रश्नचिह्न लग सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। यदि जांच में यह साबित होता है कि नियमों की अनदेखी कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मंजूरियां दी गईं, तो संबंधित बिल्डर नमन गोयल और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग भी तेज हो सकती है।

फिलहाल इस पूरे प्रकरण ने बिलासपुर के रियल एस्टेट क्षेत्र और प्रशासनिक तंत्र दोनों में हलचल मचा दी है। शहर में चर्चा है कि यह मामला केवल एक परियोजना का नहीं बल्कि वर्षों से चल रहे एक बड़े नेटवर्क का संकेत हो सकता है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इस कथित नक्शा और लेआउट घोटाले पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई करता है और क्या दोषियों की जवाबदेही तय हो पाती है या नहीं।

भिलाई क्षेत्र में जनसेवा, सामाजिक समरसता और सेवा कार्यों में सक्रिय हैं इंद्रजीत सिंह 'छोटू'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के कार्यों में लगातार सक्रिय रहने वाले समाजसेवी इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में सहभागिता कर लोगों से संवाद स्थापित किया और समाजसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

इसी क्रम में भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल से उनके जन्मदिन के अवसर पर भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान इंद्रजीत सिंह भी उपस्थित रहे और सांसद विजय बघेल के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देते हुए इंद्रजीत सिंह ने रमजान के पवित्र महीने में

हजरत बिलाल मस्जिद, हुडको भिलाई में आयोजित रोजा इफ्तार कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन सदर शाहिद अहमद रज्जन द्वारा किया गया था। इस अवसर पर छोटू ने सभी रोजेदार भाइयों को रमजान की मुबारकबाद देते हुए आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।

इसके अलावा वे सिद्ध श्री बाबा बालकनाथ मंदिर, खुर्सीपार भिलाई में आयोजित 62वें महायज्ञ एवं विशाल महाभंडारे में भी शामिल हुए। यहां उन्होंने बाबा बालकनाथ जी से क्षेत्रवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

इसी कड़ी में होटल अमित पार्क में आयोजित मां शारदा सामर्थ्य चैरिटेबल ट्रस्ट के महिला सम्मान समारोह एवं न्यू आइडिया Conclave कार्यक्रम में भी इंद्रजीत सिंह छोटू शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्राम उद्योग बोर्ड के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) राकेश पाण्डेय, डॉ. संतोष राय, सर्वसमाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह, उपाध्यक्ष जोगा राव, शाहनवाज कुरैशी, अनिल चौधरी, सुनील यादव, वाजिद अंसारी सहित छात्र-छात्राएं और समाज के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वहीं जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए इंद्रजीत सिंह द्वारा संचालित बीरा सिंह मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल तथा सर्व समाज कल्याण समिति, भिलाई के तत्वावधान में भक्त माता कर्मा वाटिका, केनाल रोड खुर्सीपार में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और चिकित्सा लाभ प्राप्त किया।

सामाजिक, धार्मिक और जनसेवा के इन विविध कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता के माध्यम से इंद्रजीत सिंह 'छोटू' लगातार लोगों के बीच रहकर समाजसेवा की मिसाल पेश कर रहे हैं। उनकी निष्ठा, मेहनत और जनहित के प्रति समर्पण के कारण वे क्षेत्र में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

खास खबर

इंडेन गैस सिलेंडर बुकिंग के 6 स्मार्ट तरीके, उपभोक्ता घबराएं नहीं झ होम प्राइड इंडेन डिस्ट्रीब्यूटर की अपील

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

रसोई गैस उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए Indian Oil Corporation के इंडेन गैस सिलेंडर की बुकिंग अब कई डिजिटल माध्यमों से आसानी से की जा सकती है। गैस कंपनी ने उपभोक्ताओं के लिए 6 स्मार्ट बुकिंग मोड उपलब्ध कराए हैं, जिनके माध्यम से घर बैठे सिलेंडर बुक किया जा सकता है। राजनांदगांव के लोहारपारा स्थित Home Pride Indane Distributor ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे जरूरत के आधार पर ही सिलेंडर बुक करें और अफवाहों से घबराकर एक साथ बुकिंग न करें। वितरक के अनुसार एक साथ अत्यधिक बुकिंग होने से कई बार सर्वर पर दबाव बढ़ जाता है, जिससे बुकिंग प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। उन्होंने बताया कि सुबह लगभग 7 बजे के आसपास बुकिंग आसानी से हो रही है, इसलिए उपभोक्ता अलग-अलग विकल्पों का उपयोग कर बुकिंग कर सकते हैं।

इंडेन गैस बुकिंग के 6 स्मार्ट मोड

1. रटर / IVRS बुकिंग
उपभोक्ता अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से 7718955555 पर रटर या क्श्फ्र के माध्यम से गैस सिलेंडर बुक कर सकते हैं।
2. इंडियन ऑयल वन ऐप
IndianOil One App डाउनलोड कर उपभोक्ता मोबाइल से ही गैस बुकिंग, भुगतान और स्टेटस की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
3. व्हाट्सएप बुकिंग
पंजीकृत मोबाइल नंबर से REFILL लिखकर 7588888824 पर व्हाट्सएप संदेश भेजकर भी सिलेंडर बुक किया जा सकता है।
4. भारत बिल पेमेंट सिस्टम (BBPS)
Bharat Bill Payment System के माध्यम से विभिन्न डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म से गैस बुकिंग और भुगतान किया जा सकता है।
5. ऑनलाइन पोर्टल
उपभोक्ता Indian Oil Customer Portal पर जाकर लॉग-इन कर गैस बुकिंग कर सकते हैं।
6. मिस्ड कॉल बुकिंग
8454955555 पर मिस्ड कॉल देकर भी सिलेंडर बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है।

DAC कोड अनिवार्य

वितरक ने स्पष्ट किया है कि वतर्मान में डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (DAC) व्यवस्था लागू है। जिन उपभोक्ताओं के पंजीकृत मोबाइल पर DAC कोड आता है, उसी कोड के आधार पर गैस सिलेंडर की डिलीवरी की जाती है। इसलिए उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि डिलीवरी के समय अपना ऊअउ कोड अवश्य बताएं। बिना DAC कोड के सिलेंडर उपलब्ध कराना संभव नहीं है। वितरक ने यह भी कहा कि परिचित, नेता, अधिकारी या अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों के कहने पर भी बिना DAC कोड के सिलेंडर नहीं दिया जा सकता। यह व्यवस्था पारदशिर्ता और उपभोक्ता सुरक्षा के लिए लागू की गई है। होम प्राइड इंडेन डिस्ट्रीब्यूटर ने सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे उपलब्ध स्मार्ट बुकिंग विकल्पों का उपयोग करें, पंजीकृत मोबाइल पर प्राप्त DAC कोड सुरक्षित रखें और जिम्मेदार उपभोक्ता के रूप में नियमों का पालन करें।

टीडीएस संबंधी नोटिसों में बढ़ोतरी -31 मार्च 2026 से पहले व्यापारी व करदाता रखें ध्यान

सीए व आईसीएआई भिलाई के पूर्व अध्यक्ष मिनेश जैन ने किया गाइड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हाल के समय में आयकर विभाग द्वारा TDS (Tax Deducted at Source) से संबंधित मामलों में व्यापक स्तर पर जाँच की जा रही है। विभाग के TRACES पोर्टल के डेटा के आधार पर ऐसे करदाताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं जिनकी पुस्तकों में बड़े खर्च दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उन पर आवश्यकतानुसार TDS नहीं काटा गया या TDS रिटर्न दाखिल नहीं की गई।

सीए मिनेश जैन के अनुसार आयकर विभाग अब डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से GST रिटर्न, आयकर रिटर्न, बैंकिंग जानकारी और TDS रिटर्न का मिलान कर रहा है। यदि किसी व्यवसाय में ठेकेदार भुगतान, प्रोफेशनल फीस, किराया, कमीशन या अन्य भुगतान पर TDS नहीं काटा गया है, तो विभाग द्वारा जानकारी माँगने हेतु नोटिस जारी किया जा सकता है।

PAN-आधार लिंक न होने पर 20% TDS

कई मामलों में यह भी देखा गया है कि PAN और आधार लिंक न होने की स्थिति में 20% की दर से TDS काटा जा रहा है। बाद में इस अतिरिक्त कटे हुए कर का रिफंड प्राप्त करने के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करना पड़ता है, जो कई बार लंबी और जटिल प्रक्रिया बन जाती है। इसलिए करदाताओं को सलाह दी जा रही है कि वे समय रहते अपना PAN-आधार लिंक अवश्य सुनिश्चित करें।

नया प्रावधान - पार्टनर के भुगतान पर TDS

वित्तीय वर्ष 2025-26 से एक नया प्रावधान लागू किया गया है, जिसके अनुसार फर्म द्वारा अपने पार्टनर्स को दिए जाने वाले रेम्यूनरेशन (वेतन) या ब्याज पर ळऊर काटना अनिवार्य होगा।

यदि किसी पार्टनर को वर्ष में 20,000 से अधिक रेम्यूनरेशन या ब्याज दिया जाता है, तो उस पर 10% की दर से ळऊर काटना होगा। इस नए प्रावधान के कारण फर्मों को अपने भुगतान और लेखांकन प्रणाली में आवश्यक संशोधन करना होगा।

अपनी आय पर कटे TDS की भी जाँच करें

सीए मिनेश जैन के अनुसार करदाताओं को विशेष कर वेतनभोगी करदाता को केवल भुगतान करते समय ही नहीं बल्कि अपनी आय पर कटे TDS की भी नियमित जाँच करनी चाहिए। विशेष रूप से निम्नलिखित आय पर ध्यान दें— बैंक या NBFC से प्राप्त ब्याज (Interest Income), फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) का ब्याज, किराया, कमीशन या प्रोफेशनल आय, अन्य

सीए मिनेश जैन
पूर्व अध्यक्ष आईसीएआई भिलाई

स्रोतों से प्राप्त आय करदाताओं को समय-समय पर Form 26AS और AIS (Annual Information Statement) की जाँच करनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि TDS सही दर से काटा गया है और सही PAN पर रिपोर्ट हुआ है।

यदि किसी कारण से गलत PAN नंबर देने या PAN-आधार लिंक न होने के कारण 20% की दर से TDS कट गया है, तो उसे तुरंत सही करवा लेना चाहिए। समय रहते सुधार करने से भविष्य में आयकर रिटर्न दाखिल करते समय रिफंड प्राप्त करना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है।

31 मार्च 2026 से पहले अपनाएँ ये सावधानियाँ

वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले व्यापारियों, फर्मों और कंपनियों को निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए— **TDS अनुपालन की जाँच:** साल भर किए गए सभी भुगतान जैसे किराया, प्रोफेशनल फीस, कॉन्ट्रैक्ट भुगतान, कमीशन, ब्याज आदि की जाँच करें और देखें कि जहाँ आवश्यक है वहाँ TDS काटा गया है या नहीं। **PAN की सही जानकारी :** जिस व्यक्ति या संस्था को भुगतान किया जा रहा है उसका सही PAN प्राप्त और सत्यापित करें। **PAN-आधार लिंक की पुष्टि :** यह सुनिश्चित करें कि भुगतान प्राप्तकर्ता का PAN-आधार लिंक है, अन्यथा 20% TDS कट सकता है। **पार्टनर भुगतान का रिकॉर्ड:** फर्में यह सुनिश्चित करें कि पार्टनर्स को दिए जा रहे रेम्यूनरेशन और ब्याज का सही रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि नए नियम के अनुसार TDS काटा जा सके। **Form 26AS और AIS की जाँच:** अपनी आय पर कटे TDS का मिलान Form 26AS और AIS से अवश्य करें। **TDS रिटर्न समय पर दाखिल करें :** सभी TDS रिटर्न समय पर दाखिल करें और TRACES पोर्टल पर डेटा का मिलान कर लें। **बुक्स क्लोजिंग से पहले रिव्यू**, 31 मार्च से पहले पूरे वर्ष के खर्चों और आय का TDS रिव्यू कर लेना चाहिए ताकि बाद में ब्याज, पेनल्टी और नोटिस से बचा जा सके। **विशेषज्ञ से सलाह :** किसी भी प्रकार की शंका होने पर अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट या कर सलाहकार से समय रहते सलाह लें।

खास खबर

दुर्ग के मनीष पारख का नाम फोर्ब्स इंडिया के गेम चेंजिंग लीडर्स की सूची में शामिल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

फोर्ब्स इंडिया ने एक विशेष सूची जारी की जो की भारत के गेम चेंजिंग लीडर्स के रूप में है। इस सूची में भारत के कई दिग्गज्जों को शामिल किया गया, गर्व की बात है कि इस सूची में दुर्ग के मनीष पारख जो की मेघ गंगा ग्रुप के चेयरमैन है को दूसरे स्थान में रखा गया है। इस अवसर पर खास बातचीत में मनीष पारख ने कहा कि 'आप सभी के साथ, विश्वास का यह परिणाम मेरे और मेरे परिवार के लिए हर्ष और उल्लास का विषय है। इस भरोसे को बनाए रखने के लिए मैं सदैव कर्तव्यबद्ध रहूँगा।' उन्होंने साझा किया कि निरंतर प्रयास और साफ नियत या सेवा भाव से अपने कार्य में लगे रहने के लिए मैं स्वयं को और अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करता हूँ।

फोर्ब्स मैगजीन में उनकी यह उपलब्धि के लिए पूरा शहर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। मेघ गंगा ग्रुप दुर्ग शहर की एक प्रख्यात व्यवसायिक समूह है, जिसके नींव मनीष पारख द्वारा रखा गया, जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देने प्रतिबद्ध है। जिसके अंतर्गत अविश एडुकॉम, लाइफकेयर डायग्नोसिस - NABL, NABH की मान्यता, महावीर ज्वैलर्स, जयदीप गैस एजेंसी, डिजाइनो डिजाइन एनीथिंग, TISD - द इंटरनेशनल स्कुल ऑफ डिजाइन, FADE एवं KAC- गेटवे ऑफ ग्लोबल एजुकेशन जैसे संस्थान आते है, मेघ गंगा ग्रुप के ये सभी स्तंभ सामुदायिक विकास और सामाजिक दायित्वों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

बीते कुछ महीनों में इनके विशेष कार्य हेतु प्राइड ऑफ इंडिया एवं भारत प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय धन्वंतरि सम्मान से भी मनीष पारख जी को सम्मानित किया जा चुका है। पिछले 2 वर्ष 2025-26 में मनीष पारख के निर्देशन में : मोर शहर मोर जिम्मेदारी के अंतर्गत दुर्ग शहर के गांधी चौक, शहीद चौक दुर्ग, राजेंद्र प्रसाद चौक, शेप ब्रिज स्थित चौक का पुनर्निर्माण। स्वच्छता के मापदण्डों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्यपाल छत्तीसगढ़ द्वारा सम्मानित। स्वास्थ क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु धन्वंतरि अवार्ड से सम्मानित किया गया। मेघ गंगा ग्रुप में TISD, FADE, VANNAKHAM & चॉकलेट स्टोरी, KAC- गेटवे ऑफ ग्लोबल एजुकेशन जैसे नए उपक्रम जुड़े। लाइफकेयर डायग्नोसिस में नवीन टेक्नोलॉजी और महत्वपूर्ण मशीनों का इंस्टालेशन किया गया।

मिथिला धाम में नवरात्रि पर्व पर होगा विविध आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

श्री मिथिला धाम गणेश हनुमान मंदिर मोनी बाबा आश्रम में हिंदू नव वर्ष एवं पवित्र नवरात्रि के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम संपन्न किए जाएंगे। प्रतिवर्ष के अनुसार बमलेश्वरी पदयात्रियों के लिए मौनी बाबा का भंडारा आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर पद यात्रियों के स्नान भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था श्री मिथिला धाम गणेश मंदिर में रहेगा, विश्व कल्याण हेतु मौनी बाबा के निर्देशन पर घृतज्योति कलश की स्थापना की जाएगी। मंदिर में मिथिला धाम भजन मंडली की तरफ से प्रतिदिन भजन का कार्यक्रम भी किया जाएगा। समस्त धर्म प्रेमी जनता से इस अवसर पर मंदिर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंदिर समिति के महान त्यागी बाबा अध्यक्ष अशोक चौधरी ने किया है।

पीएम योजना के हितग्राही 18 मार्च तक कर सकते है दावा आपत्ति

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस घटक में नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत निर्मित आवासों के आबंटन हेतु किरायेदारी के रूप में निवासरत परिवारों से परियोजना स्थलों और दावा आपत्ति में पूर्ण आवेदन को आवासों के आबंटन हेतु किरायेदारों से आवेदन आमंत्रित किये गये है।

उक्त स्थलों पर आवास आबंटन हेतु कुल 391 आवेदन प्राप्त हुए है एवं पूर्ण आवेदनों की संख्या 382 है तथा अपूर्ण दस्तावेज जमा आवेदकों की संख्या 09 है। आवेदनों की सूची अपूर्ण दस्तावेज एवं पूर्ण दस्तावेज संलग्न कर आवेदन जमा किये आवेदकों की सूची दावा आपत्ति हेतु मुख्यालय एवं जोन कार्यालयों के सूचना पटल पर चस्पा की गई है एवं निगम भिलाई के पोर्टल में आवेदकों की सूची को अपलोड किया गया है। जिसकी 15 दिवस समाप्ति पश्चात अंतिम तिथि 18 मार्च 2026 निर्धारित की गयी है। निर्धारित तिथि के पश्चात कोई भी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगा। आवेदक निर्धारित तिथि तक दावा आपत्ति कर सकते है।

विकास कार्य देखकर कांग्रेसियों को मिर्ची लग गई है-अशोक चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भाजपा नेता अशोक चौधरी ने कहा कि भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार में पूरे 5 वर्ष में भी 266 करोड़ पूरे जिले में भी विकास कार्य नहीं हुआ था। आज जब राजनांदगांव नगर निगम क्षेत्र में 266 करोड़ का विकास का भूमि पूजन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव कीउपस्थिति में किया गया है। तो कांग्रेसियों को बहुत कस के मिर्ची लगी है। और इसीलिए उनकी बदजुबानी से यह बयान निकला है कि राजनांदगांव का विकास नहीं भाजपा नेताओं का विकास होगा।

असली में कांग्रेसियों की गलती नहीं है,

पिछले 50 वर्षों में जो इन्होंने लूट खसोट किया है, इस अनुभव के आधार पर यह बोल रहे हैं कांग्रेसियों को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए और उन लोगों को देखना चाहिए जो रोड पति से करोड़पति और अरबपति लूट खसोट करके बने हैं। कांग्रेसियों को चुपचाप राजनांदगांव का विकास कैसे हो रहा है उसे देखना चाहिए उसमें कोई कमी है तो उसे उजागर भी करना चाहिए लेकिन बद् जुबानी नहीं करना चाहिए। श्री चौधरी ने कहा कि कांग्रेसियों की ?

जो संस्कृति है भाजपा के संस्कृति उसके उलट है वह सिर्फ विकास करना जानते हैं और राजनांदगांव इसका उदाहरण है राजनांदगांव के साथ जो बेईमानी भूपेश बघेल जी मुख्यमंत्री रहते किया था, उसका खामियाजा लोकसभा चुनाव में राजनांदगांव की जनता ने दे दिया है। इससे कांग्रेसियों को सबक लेना चाहिए। और शालीनता का परिचय देना चाहिए।

नशे के लोकल नेटवर्क पर पुलिस का शिकंजा

दुर्ग पुलिस ने सिमगा-बेमेतरा ढाबे से किया आरोपियों को गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग में अफीम का खेत पकड़े जाने के बाद अब यहां पैदा की गई अफीम की लोकल सप्लाई की लोकल सप्लाई के बड़े नेटवर्क का खुलासा दुर्ग पुलिस ने कर दिया है। एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर सिमगा-बेमेतरा में कठिया गांव के पास रामदेव होटल और राजस्थानी हाईवे ढाबा में छापे मारकर पुलिस ने 300 ग्राम से ज्यादा अफीम, चुक्की और कैश बरामद किया है। दोनों मालिकों रणछोड़ उर्फ रणजीत तथा सुनील देवासी को गिरफ्तार कर संस्थान सील कर दिए गए हैं। दोनों ही राजस्थान के मूल निवासी हैं और यहां होटल तथा ढाबे में अफीम बेच रहे थे। इसके अलावा दुर्ग पुलिस और रायपुर और दुर्ग संभाग में कई और जगह दुर्ग के अफीम-डोडा की सप्लाई का इनपुट मिला है, जिसका एनलिसिस किया जा रहा है।

बता दें कि दुर्ग के समोदा में भी

अफीम की खेती का मास्टरमाइंड राजस्थान का ही गैंग हैं। इस मामले में खेत मालिक विनायक ताम्रकार के अलावा पुलिस ने विकास विश्नोई और छोटू राम समेत चार को गिरफ्तार किया है। इनमें विकास और छोटू भी राजस्थान के हैं। अब तक हुई पूछताछ में पुलिस को यह जानकारी भी मिली है कि आरोपी अफीम फल और डोडा के इन नेटवर्क को इस फसल के साथ ही आगे बढ़ाने की योजना बना चुके थे। इस योजना में और लोगों तथा होटल-ढाबों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। पुलिस इनका पता लगा रही है। बता दें कि सीएम विष्णुदेव साय ने इस तरह की गतिविधियों पर सख्त रवैया अपनाया है और हर एंगल पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके बाद ही छापेमारी शुरू हुई है और नई-नई बातों का खुलासा हो रहा है।

मालवाहक से टकराई बाइक, दो की मौत, एक गंभीर

छुरिया (राजनांदगांव)। छुरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत रविवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है। यह हादसा ग्राम दामा बंजारी मोड़ के पास तब हुआ जब एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सीधे मालवाहक (पिकअप) से जा टकराई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ग्राम भकुरा के रहने वाले तीन युवक—टकेश्वर साहू, टिकेंद्र निषाद और ललित निषाद—किसी काम से महाराष्ट्र के ग्राम काकोड़ी गए थे। वापसी के दौरान जब वे एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने गाँव लौट रहे थे, तभी दामा बंजारी मोड़ के पास उनकी भिड़ंत एक मालवाहक वाहन से हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे में घायल युवकों में टकेश्वर साहू 28 वर्ष मृत स्व. अशोक साहू, टिकेंद्र निषाद 27 वर्ष मृत सुखदुराम निषाद, ललित निषाद 23 वर्ष घायल जगत निषाद शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची। घायल ललित निषाद को प्राथमिक उपचार के बाद राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है, जहाँ उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर लिया है और घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि बीते 9 मार्च को भी चिरचारी के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 5 वर्षीय मासूम की जान चली गई थी। स्थानीय स्तर पर तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग तेज हो गई है।

स्वदेशी मेले का तीसरा दिन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्वदेशी मेले में आज सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत विविध समाजों द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने दशर्कों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सिंधी समाज दुर्ग-भिलाई द्वारा विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें सिंधी संस्कृति और इतिहास की झलक देखने को मिली। समाज के कलाकारों ने भारत विभाजन के समय सिंध छोड़ने की पीड़ा और संघर्ष को भावनात्मक प्रस्तुति के माध्यम से मंच पर जीवंत किया। इस प्रस्तुति ने उपस्थित दशर्कों को भावुक कर दिया और इतिहास की उस कठिन घड़ी की याद दिला दी।

इसके साथ ही भगवान झूलेलाल साईं की आराधना नृत्य के माध्यम से अत्यंत सुंदर और भक्ति भाव से परिपूर्ण प्रस्तुति दी गई, जिसे दशर्कों ने खूब सराहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कल समाज के कलाकारों ने भी पारंपरिक गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। विभिन्न संस्कृतियों की इन प्रस्तुतियों ने मेले में एकता और विविधता का सुंदर संदेश दिया।

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ स्वदेशी व्यंजनों का भी विशेष आकर्षण रहा। आज सिंधी समाज द्वारा लगाए गए सिंधी पारंपरिक व्यंजन ह्यदाल पकवानह्न के स्टॉल पर लोगों की भारी भीड़

सिंधी समाज ने प्रस्तुत की विभाजन की पीड़ा

देखने को मिली और आगंतुकों ने बड़े चाव से इसका स्वाद लिया। स्वदेशी मेला न केवल स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि विभिन्न समाजों की संस्कृति, परंपरा और खानपान को भी एक मंच प्रदान कर रहा है, जिससे मेले का वातावरण उत्साह और उल्लास से भर गया है।

आज प्रतियोगिता कार्यक्रम में बेस्ट ऑफ वेस्ट, रंग भरो प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता व थाली सजाओ प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। स्थानीय उद्यमियों और कारीगरों को भी अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अच्छा अवसर मिल रहा है। मेले में खरीदारी के साथ-साथ मनोरंजन की भी विशेष व्यवस्था की गई है। बच्चों और परिवारों के लिए झूले, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा फूड जोन आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और परंपरा की झलक भी मेले में देखने को मिल रही है, जिससे आगंतुक विशेष रूप से प्रभावित हो रहे हैं।

स्वदेशी मेले का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना, स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करना तथा आत्मनिर्भर भारत की भावना को मजबूत करना है। बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता यह दर्शाती है कि लोगों में स्वदेशी के प्रति जागरूकता और अपनापन लगातार बढ़ रहा है। आयोजकों ने भिलाई एवं आसपास के नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में स्वदेशी मेले में पहुंचकर स्वदेशी उत्पादों का उपयोग बढ़ाएं और देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।